RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6, अंकः267, मंगलवार, 07 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

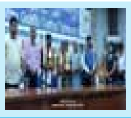
महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण विषयक विशेष व्याख्यान आयोजित 03

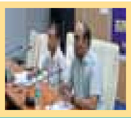
बिहार विधानसभा चुनाव : समस्तीपुर में विशेष समीक्षा बैठक संपन्न 04

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी का हॉट अवतार! ट्रांसपेरेंट साइड कट गाउन... 07

तीन वैज्ञानिकों को चिकित्सा का नोबेल

मैरी ब्रूनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को मिला पुरस्कार

स्टॉकहोम (एजेंसी)। वर्ष 2025 के चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार की घोषणा कर दी गई है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को फिजियोलॉजी या मेडिसिन के नोबेल पुरस्कार विजेताओं को नाम का ऐलान किया है। इस साल तीन वैज्ञानिकों- मैरी ई. ब्रूनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को चिकित्सा क्षेत्र का नेबोल पुरस्कार मिला है। परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता (पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस) से संबंधित खोजों के लिए तीनों को नोबेल का मिला है। चिकित्सा के क्षेत्र में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार को आधिकारिक तौर पर 'फिजियोलॉजी या मेडिसिन' का नोबेल पुरस्कार कहा जाता है। यह सम्मान 1901 से 2024 के बीच 115 बार 229 नोबेल पुरस्कार विजेताओं को प्रदान किया जा चुका है। पिछले साल का पुरस्कार अमेरिकी नागरिक विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को सूक्ष्म 'आरएनए' (राइबोन्यूक्लिक एसिड) की खोज के लिए दिया गया था।

मैरी ई. ब्रंकॉ (इंस्टीट्यूट फॉर सिस्टम्स बायोलॉजी, सिएटल, अमेरिका) | फ्रेड राम्सडेल (सोनोमा बायोथेरेप्यूटिक्स, सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका) | शिमोन साकागुची (ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान)

नोबेल की वसीयत– नोबेल पुरस्कार, स्वीडिश इंजीनियर और उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत द्वारा स्थापित सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों का एक समूह है, जिन्हें डायनामाइट की खोज के लिए जाना जाता है। अपनी 1895 की वसीयत में नोबेल ने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा उन वार्षिक पुरस्कारों के लिए छोड़ दिया था।

शांति का नोबेल शुक्रवार को

मंगलवार को भौतिकी, बुधवार को रसायन विज्ञान और बृहस्पतिवार को साहित्य के नोबेल पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा की जाएगी। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार और अर्थशास्त्र में नोबेल मेमोरियल पुरस्कार की घोषणा 13 अक्टूबर को होगी। इसके बाद 10 दिसंबर को पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाएगा। नोबेल पुरस्कार विजेता को एक स्वर्ण पदक, एक डिप्लोमा और नोबेल फाउंडेशन की ओर से वित्तपोषित एक नकद पुरस्कार मिलता है, जो नोबेल निधि का प्रबंधन करता है। इस वर्ष का पुरस्कार 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर (1.2 मिलियन) का है। नोबेल पुरस्कार विजेताओं को रातोंरात प्रसिद्धि मिलने का मौका भी देता है।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई गवई पर हमले की कोशिश

- कोर्ट रूम में वकील ने जूता फेंका, नारा लगाया- सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने सीजेआई बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश की। यह घटना उस समय हुई जब सीजेआई की बेंच एक मामले की सुनवाई कर रही थी। कोर्ट रूम में मौजूद वकीलों के हवाले से बताया कि वकील ने सीजेआई की तरफ जूता फेंका।

हालांकि, जूता उनकी बेंच तक नहीं पहुंच सका। सुरक्षाकर्मियों ने फौरन उसे पकड़ लिया। बाहर जाते वक्त वकील ने नारा लगाया– सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। घटना के बाद सीजेआई ने अदालत में मौजूद वकीलों से अपनी दलीलें जारी रखने को कहा। कहा कि इस सबसे परेशान न हों। मैं भी परेशान नहीं हूं, इन चीजों से मुझे फर्क नहीं पड़ता।

16 सितंबर को सीजेआई ने कहा था– जाओ, भगवान से खुद करने को कहो– मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी वकील का नाम राकेश किशोर कुमार है। सुप्रीम कोर्ट बार में उनका रजिस्ट्रेशन 2011 का है। माना जा रहा है कि वकील सीजेआई गवई की मध्य प्रदेश के खजुराहो में भगवान विष्णु की 7 फुट ऊंची सिर कटी मूर्ति की पुनर्स्थापना पर की गई टिप्पणियों से नाराज था। सीजेआई ने 16 सितंबर को खंडित मूर्ति की बहाली की मांग वाली याचिका खारिज करते हुए कहा था– जाओ और भगवान से खुद करने को कहो। तुम कहते हो भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो, जाओ उनसे प्रार्थना करो।

वकील के खिलाफ कड़ा ऐक्शन, बार काउंसिल ने लाइसेंस निलंबित किया

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पर हमले की कोशिश हुई। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अधिवक्ता राकेश किशोर का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। उन्हें देश भर की अदालतों में वकालत करने से रोका गया है। किशोर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

दार्जिलिंग में लैंडस्लाइड

24 मौतें, कई लापता, हजारों टूरिस्ट फंसे

दार्जिलिंग/शिमला/हिमाचल (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में रविवार को तेज बारिश के बाद हुई लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 24 हो गई है। इनमें 7 बच्चे हैं। कई लोग अब भी लापता हैं। लैंडस्लाइड में कई घर बह गए। दार्जिलिंग और सिक्किम का सड़क संपर्क देश के बाकी हिस्सों से टूट गया है। इसके कारण हजारों पर्यटक फंसे हैं। दार्जिलिंग और कर्सियांग के बीच नेशनल हाइवे टूट गया है। मिरिक और दूधिया के पास लोहे का ब्रिज टूटने से दार्जिलिंग से सिलीगुड़ी का वैकल्पिक रास्ता भी बंद है। अलीपुरदुआर में रेल ट्रैक डूबने से तीन गाड़ियां रद्द की गईं। दार्जिलिंग और कालिम्पोंग में चाय के बागान डूब गए हैं। इधर, जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश का अलर्ट है। इसके चलते स्कूल शिक्षा निदेशालय जम्मू ने सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को 6 और 7 अक्टूबर के लिए बंद करने का आदेश दिया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने वैष्णो देवी यात्रा 5 से 7 अक्टूबर तक सस्पेंड करने की घोषणा की है।

- **हिमाचल में सीजन की पहली बर्फबारी, इस बार करीब 20 दिन पहले–** पश्चिमी विक्षोभ के असर से हिमाचल के लाहौल–स्पीति, मनाली, चंबा और धौलाधर की पहाड़ियों पर सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। इस बार बर्फबारी सामान्य से करीब 20 दिन पहले हुई। बारिश और बर्फबारी से तापमान 4 डिग्री तक गिर गया है। मौसम विभाग ने चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी में सोमवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। रोहतांग दर्रे पर फिसलन बढ़ने से वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है।

राजस्थान में कफ सिरप से पांचवीं मौत

- परिजनों का दावा-दवाई देते ही बेटा बेहोश हुआ, डॉक्टर ने पर्ची वापस लेकर रख ली

डीग (एजेंसी)। राजस्थान में खांसी की सिरप पीने से पांचवीं मौत का मामला सामने आया है। 20 सितंबर को डीग के नगर क्षेत्र स्थित गांव उड़की दल्ला में 2 साल के मासूम ने दम तोड़ दिया। घटना के दो दिन पहले तबीयत खराब होने पर सरकारी हॉस्पिटल से दवाई दिलाई थी। इससे पहले 2 भरतपुर, एक सीकर और एक चूरू के बच्चे के साथ भी ऐसा ही हो चुका है। इन बच्चों को भी सरकारी हॉस्पिटल की सिरप पिलाई गई थी। उसके बाद उनकी जान चली गई थी।

जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में आग, 8 मरीजों की मौत

- ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में देर रात हुआ हादसा; स्वास्थ्य मंत्री के सामने नारेबाजी, हंगामा

जयपुर की घटना अत्यंत दुखद - पीएम मोदी

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में रविवार देर रात आग लग गई। हादसे में 8 मरीजों की मौत हो गई। इनमें 3 महिलाएं शामिल हैं।

रात 11 बजकर 20 मिनट पर यह आग ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो आईसीयू वार्ड के स्टोर में लगी। यहां पेपर, आईसीयू का सामान और ब्लड सैंपलर ट्यूब रखे थे। ट्रॉमा सेंटर के नोडल ऑफिसर और सीनियर डॉक्टर ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। हादसे के समय आईसीयू में 11 मरीज थे। उसके बगल वाले आईसीयू में 13 मरीज थे। वहीं, इस अग्निकांड की जांच के लिए शासन स्तर पर 6 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और सबूत इकट्ठे किए।

फायरकर्मी बोला– पूरा वार्ड धुएं से भरा था– फायर विभाग के कर्मचारी अवधेश पांडे ने बताया कि अलार्म बजते ही टीम मौके पर पहुंची। पूरे वार्ड में धुआं भर चुका था। अंदर जाने का कोई रास्ता नहीं था। ऐसे में

पिंटू सीकर | दिलीप जयपुर | सर्वेश आगरा | रुकमणि भरतपुर | कुषमा भरतपुर | बहादुर जयपुर | दिगंबर वर्मा सवाई माधोपुर | श्रीनाथ भरतपुर

बिल्डिंग की दूसरी ओर से खिड़की के कांच उतारकर पानी की बौछार मारी गई। आग पर काबू पाने में एक से डेढ़ घंटे का समय लगा।

बिहार में 2 फेज में विधानसभा चुनाव

6 और 11 नवंबर को वोटिंग, नतीजे 14 नवंबर को

नईदिल्ली/पटना (एजेंसी)। बिहार में चुनावी बिगुल बजने का इंतजार आज खत्म हो गया। चुनाव आयोग ने बिहार में दो चरणों में सभी 243 विधानसभा सीटों के लिए मतदान कराने का फैसला लिया गया है। पहले चरण का चुनाव 6 नवंबर और दूसरे चरण का 11 नवंबर को होगा। मतगणना की तिथि 14 नवंबर तय की गई है। भारत निर्वाचन आयोग की सोमवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के विस्तृत कार्यक्रम की आधिकारिक ऐलान किया गया। चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो गई।

ज्ञानेश कुमार ने कहा- बिहार चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ होंगे

मुख्य चुनाव आयुक्त ने ज्ञानेश कुमार ने कहा, जो सारी बातें समीक्षा में आई। बिहार में हम सभी राजनीतिक दलों, पुलिस अधिकारी, प्रशासनिक अधिकरियों से मिले। सुरक्षाबलों के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। आयोग आपको बतलाना चाहता है कि इस बार बिहार चुनाव मतदाताओं के लिए सरल, सुगम होंगे, पूरी लॉबी मतदाताओं की मदद के लिए खड़ी रहेगी, बिहार चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ होंगे। इस बार का बिहार चुनाव सबसे अच्छे चुनावों में शामिल होगा। ऐसी आयोग की मंशा है।

वोटिंग लिस्ट में सुधार कराया जा सकता है – मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, 30 सितंबर को फाइनल लिस्ट (मतदाता सूची) पब्लिश की गई है। अभी भी कोई गलती रह गई हो तो जिला अधिकारी के पास अपील की जा सकती है। साथ ही किसी का नाम छूटा हो तो नॉमिनेशन के 10 दिन पहले तक नाम जुड़वा सकता है। इसके बाद कोई भी नाम नहीं जोड़ा जा सकता है। आयोग की पूरी टीम और तीन आयुक्तों ने बिहार का दौरा किया।

बिहार चुनाव 2025

पहला फेज - 121 सीटें

नोटिफिकेशन	नॉमिनेशन	स्क्रूटनी	नाम वापसी	वोटिंग
10 अक्टूबर	10-17 अक्टूबर	18 अक्टूबर	20 अक्टूबर	6 नवंबर

दूसरा फेज - 122 सीटें

नोटिफिकेशन	नॉमिनेशन	स्क्रूटनी	नाम वापसी	वोटिंग
13 अक्टूबर	13-20 अक्टूबर	21 अक्टूबर	23 अक्टूबर	11 नवंबर

नतीजे - 14 नवंबर

कुल सीट: 243 | बहुमत: 122 | 40 दिन की चुनाव प्रक्रिया

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने कहा– बिहार में चुनाव का आगमन – मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, इस चुनाव में आयोग की तैयारियों की पूरी जानकारी आपको देंगे। बिहार की पावन भूमि पर 5 सालों के बाद विधानसभा के चुनाव का आगमन हो रहा है।

- 243 सीटों पर कुल 7.43 करोड़ वोटर, 14 लाख पहली बार मतदान करेंगे; हर बूथ पर एवरेज 818 वोटर
- बिहार में 243 सीटें हैं, इनमें अनुसूचित जाति के लिए 38 और अनुसूचित जनजाति के लिए 2 सीटें रिजर्व हैं।

अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा, 11 नवंबर को वोटिंग, 14 को आएगा रिजल्ट खाली हुई थी सीट

राजस्थान में बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा हो गई है। इस सीट पर 11 नवंबर को वोटिंग होगी और 14 नवंबर को रिजल्ट आएगा।13 अक्टूबर को चुनाव का गजट नोटिफिकेशन जारी होगा। प्रत्याशी 21 अक्टूबर तक नामांकन कर सकेंगे। 23 अक्टूबर को नामांकन की जांच होगी और 27 अक्टूबर तक प्रत्याशी नामांकन वापस ले सकेंगे। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे समर्थक कंवरलाल मीणा की विधायकी जाने के बाद ये सीट खाली हुई थी। अब अंता सीट पर रोचक मुकाबले के आसार हैं।

बद्रीनाथ धाम में पहुंचे सुपरस्टार रजनीकांत

- ग्लैमर से दूर आध्यात्मिक पर निकले; सड़क किनारे पत्तल में खाना खाने की तस्वीरें वायरल

चमोली (एजेंसी)। साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत इन दिनों उत्तराखंड में अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर हैं। इसी बीच सोमवार को वह चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम में पहुंचे। यहां पर उन्होंने भगवान बद्रीविशाल के दर्शन किए और जनकल्याण के लिए प्रार्थना भी की। यहां पर एक्टर का स्वागत बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने किया।

भाई ने बहन को नहर में डुबोकर मार डाला

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में एक युवक ने अपनी सगी छोटी बहन को नहर के पानी में डुबोकर मार डाला। इसके बाद घर से कुछ ही दूर एक खेत में उसकी लाश फेंक दी। कुछ देर बाद खुद थाने पहुंचा और कहा- मैंने अपनी बहन की हत्या कर दी है। लाश खेत में पड़ी है। युवक ने बताया- मेरी बहन का अफेयर चल रहा था। उसे कई बार समझाया, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं थी। इसीलिए जान से मार दिया।

इसके बाद उसने खेत से बहन की लाश भी बरामद कराई। पुलिस उसे गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि हत्या कैसे हुई, यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चलेगा। घटना कैंपियरगंज थाना क्षेत्र की है।

बच्चों की मौत मामले में चार अफसर सस्पेंड

- छिंदवाड़ा में पीड़ित परिवारों से मिले सीएम; मौके से ही हटाने के दिए निर्देश

भोपाल / छिंदवाड़ा (एजेंसी)। छिंदवाड़ा और बैतूल में जहरीले कफ सिरप से अब तक 16 बच्चों की मौत हो चुकी है। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव परासिया पहुंचे। यहां उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। सीएम इस दौरान एक बच्चे अदनान के घर पहुंचे। परिजनों से मिलने के बाद उन्होंने मध्यप्रदेश के ड्रग कंट्रोलर दिनेश मौर्य को हटा दिया। वहीं खाद्य एवं औषधि प्रशासन के उपसंचालक शोभित कोष्टा, छिंदवाड़ा के ड्रग इंस्पेक्टर गौरव शर्मा और जबलपुर ड्रग इंस्पेक्टर शरद जैन सस्पेंड करने के निर्देश दिए।

चुनाव के ऐलान से पहले पटना में दौड़ी मेट्रो

- अचानक सीट से उठकर बाहर का नजारा देखने लगे सीएम नीतीश; आज से कर पाएंगे सफर

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के ऐलान से पहले पटना मेट्रो की शुरुआत हो गई है। सोमवार को सीएम नीतीश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने पटना मेट्रो से सफर भी किया। आईएसबीटी से जीरोमाइल होते हुए भूतनाथ तक गए। इस दौरान सीएम अचानक अपनी सीट से उठे और विंडो से बाहर का नजारा देखने लगे। दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा भी साथ रहे। पहले फेज में आईएसबीटी से भूतनाथ रोड के बीच 3 स्टेशन के बीच इसे चलाया जाएगा। ये ट्रैक 4.5 किमी लंबा है। किराया फिलहाल 15 रुपए होगा। पटना के लोगों के लिए मेट्रो सेवा आज यानी 7 अक्टूबर से शुरू हो जाएगी। परिचालन का समय सुबह 8 से रात के 10 बजे तक होगा।

संक्षिप्त समाचार

मसौढ़ी में मध निषेध विभाग की छापेमारी, ड्रोन से 10 अवैध भट्टियां नष्ट कीं, 300 शराब जब्त, 2 गिरफ्तार

पटना। पटना के मसौढ़ी में मध निषेध विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 300 लीटर देसी शराब जब्त की है। इस दौरान दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई रविवार, 5 अक्टूबर 2025 को नादौल मध निषेध चेक पोस्ट पर की गई। विभाग ने अभियान के दौरान आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया। ड्रोन की मदद से इलाके की गहन निगरानी की गई, जिससे 10 अवैध देसी शराब की भट्टियों का पता चला। इन सभी भट्टियों को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। यह कार्रवाई मध निषेध विभाग, मसौढ़ी, पटना के अधीक्षक संजय कुमार चौधरी के नेतृत्व में हुई। अधीक्षक संजय कुमार चौधरी ने बताया कि बिहार सरकार की शराबबंदी नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विभाग पूरी तत्परता से काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए शराब की तस्करी और अवैध निर्माण पर अंकुश लगाने के लिए विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। मध निषेध विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के खिलाफ यह अभियान आने वाले दिनों में और भी सघन रूप से जारी रहेगा। विभाग का मुख्य उद्देश्य राज्य में अवैध शराब के उत्पादन, परिवहन और बिक्री पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करना है। इस कार्रवाई से यह संदेश दिया गया है कि कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे और शराबबंदी कानून को कमजोर नहीं होने दिया जाएगा। विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे अवैध शराब से संबंधित किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन या मध निषेध विभाग को दें।

ज्ञानेंद्र सिंह ने चुनाव लड़ने का फैसला जनता पर छोड़ा, बाढ़ से लड़ेंगे या नहीं पब्लिक तय करेगी

पटना। भाजपा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू ने बाढ़ से चुनाव न लड़ने की घोषणा कर स्थानीय राजनीति में हलचल मचा दी थी। अब उन्होंने यह फैसला बाढ़ की जनता पर छोड़ दिया है। आज वे डाकबंगला परिसर में अपने समर्थकों के साथ बैठक कर आगे की रणनीति तय करेंगे। विधायक ज्ञानू ने बताया कि वे हाल ही में एनडीए के संभावित प्रत्याशियों के समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी से काफी दुखी थे। बाढ़ सीट क्षत्रिय समाज के लिए सुरक्षित मानी जाती है, जिसके कारण एनडीए के कई दावेदार टिकट के लिए जोर आजमाइश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पार्टी के भीतर से ही चुनौती मिल रही है, और संभावित प्रत्याशियों के समर्थक उनके खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। हालांकि, उनके इस फैसले के बाद बाढ़ में कई लोग उनके समर्थन में उतर आए हैं और उन्हें फिर से चुनाव लड़ने के लिए मनाने हेतु एकजुट हुए हैं। ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू ने कहा, "इन दिनों राजनीति का स्तर काफी गिर गया है, और यह स्थिति देश के लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। इसी वजह से मैंने आगामी चुनाव में भाग न लेने का निर्णय लिया था, लेकिन अब जनता तय करेगी।" उनके अनुयायियों ने भी बताया कि पिछले कुछ वर्षों में राजनीति में मर्यादा और समर्थकों के प्रति सम्मान का अभाव देखा गया है।

85 साल के बुजुर्ग को बेरहमी से पीटा, जमीनी विवाद को लेकर दबंगों ने लाठी-डंडों से किया हमला,हालत गंभीर

हाजीपुर। वैशाली के सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र के बाजितपुर डुमरी डीह गांव में जमीनी विवाद को लेकर 85 साल के बुजुर्ग को बेरहमी से पीटा। पीड़ित बुजुर्ग कुशेश्वर सिंह पर दबंगों ने लाठी-डंडों से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें साफ देखा जा सकता है कि, जमीन पर गिरे बुजुर्ग पर हमलावर बेरहमी से लाठियां बरसा रहे हैं। इस वीडियो ने घटना की भयावहता को और बढ़ा दिया है। घटना के बाद परिजनों ने कुशेश्वर सिंह को पहले सहदेई अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत नाजुक देखकर डॉक्टरों ने उन्हें पहले हाजीपुर सदर अस्पताल और फिर पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया। मरीज का इलाज चल रहा है और उनकी हालत अब भी गंभीर बताई जा रही है। पीड़ित के पुत्र राकेश कुमार सिंह ने पड़ोसी चीनी लाल सिंह और उनके परिवार के सदस्यों पर हमले का आरोप लगाया है। परिवार का कहना है कि यह पूरा मामला एक जमीन विवाद से जुड़ा हुआ है, जो लंबे समय से चला आ रहा था और आखिरकार यह हिंसा में बदल गया। सहदेई थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि, घटना की कोई औपचारिक शिकायत अभी तक थाने में दर्ज नहीं हुई है। फिर भी, वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आश्वासन दिया है कि सभी आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रहे जमीन विवादों और दबंगों के बढ़ते आतंक की ओर इशारा करती है। एक निहत्थे बुजुर्ग के साथ की गई यह बर्बरता न सिर्फ कानून व्यवस्था के लिए एक चुनौती है, बल्कि मानवता के लिए भी एक काले धब्बे के समान है।

असदुद्दीन ओवैसीराजद के गढ़ महुआ में करेंगे जनसभा, बच्चा राय को माना जा रहा संभावित प्रत्याशी

हाजीपुर। AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी आज, 6 अक्टूबर को वैशाली जिले के महुआ का दौरा करेंगे। वे शाम करीब पांच बजे महुआ के ऐतिहासिक गांधी मैदान में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस जनसभा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। महुआ विधानसभा सीट को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का गढ़ माना जाता है। यह राघोपुर के बाद राजद का दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र है। ओवैसी की यह जनसभा राजद के इस मजबूत गढ़ में राजनीतिक चुनौती पेश कर सकती है। वर्तमान में महुआ से राजद के मुकेश रौशन विधायक हैं। इससे पहले, लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव भी इस सीट से विधायक रह चुके हैं। महुआ विधानसभा से डॉक्टर अमित कुमार उर्फ बच्चा राय को AIMIM का संभावित प्रत्याशी माना जा रहा है। संभावित प्रत्याशी डॉक्टर अमित कुमार उर्फ बच्चा राय ने कहा कि अल्पसंख्यक समाज से वोट तो लिए जाते हैं, लेकिन उन्हें बिहार की सियासत और हिस्सेदारी से दूर रखा जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी समाज के लोगों को उचित हिस्सेदारी और दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। बच्चा राय ने दावा किया कि महुआ के गांधी मैदान में होने वाली जनसभा में बड़ी संख्या में भीड़ जुटेगी। उन्होंने यह भी बताया कि महुआ में राजद कोटे से तेज प्रताप यादव और मुकेश रौशन को लाने में उनकी भूमिका रही है। उन्होंने 2015 के चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि जब तेज प्रताप यादव महुआ पहुंचे थे, तब मंच पर सभी लोग अलग हो गए थे, लेकिन वह उनके साथ खड़े थे। बच्चा राय ने तेज प्रताप यादव और मुकेश रौशन को 'जूनियर' बताया। उन्होंने यह भी कहा कि महुआ विधानसभा का नेतृत्व करने वाले सभी नेता बाहरी हैं, जबकि वे स्वयं 'धरातल के लोग' हैं और किसी की 'अनुकंपा' पर नहीं हैं। हालांकि, पारिवारिक मतभेदों के बीच तेज प्रताप यादव ने अपनी नई पार्टी से चुनाव लड़ने की घोषणा की है, जिससे इस सीट पर राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं।

हाजीपुर जेल का कैदी अस्पताल से फरार

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर जेल से इलाज के लिए सदर अस्पताल लाए गए एक कैदी रवि रंजन कुमार पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। यह घटना शनिवार रात को हुई। इस मामले में नगर थाने में FIR दर्ज कर ली गई है। रवि रंजन कुमार (25) बराटी थाना क्षेत्र के रदाहा निवासी विशेश्वर राय का पुत्र है। उसे 28 सितंबर को लगभग 5 लीटर देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया था। जेल में तबीयत बिगड़ने के बाद जेल प्रशासन द्वारा उसे शनिवार को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया था। इसी दौरान शनिवार रात को वह अस्पताल से फरार हो गया। इस मामले में असिस्टेंट जेल सुपरिंटेंडेंट सन्नी कुमार के बयान पर नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही है।

पथ निर्माण विभाग ने पेश किया विभाग का रिपोर्ट कार्ड नितिन नवीन बोले- सड़कों से झलक रहा विकास

एजेंसी, पटना

बिहार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने आज विभाग की उपलब्धियों और भावी योजनाओं को लेकर प्रेस वार्ता बुलाई। इस मौके पर उन्होंने अपने कार्यकाल (2020-2025) में किए गए कार्यों का वीडियो दिखाया और विभाग की ओर से प्रकाशित 'उपलब्धियों की पुस्तक' का विमोचन भी किया। प्रेस वार्ता में विभाग के सचिव संदीप पटेल, विशेष सचिव कपिल, और अभियंता प्रमुख सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

2020 से 2025 तक का रिपोर्ट कार्ड किया पेशः नितिन नवीन ने कहा कि आज का कार्यक्रम विभाग की "रिपोर्टिंग कल्चर" का हिस्सा है। हम हर कार्यकाल के अंत में जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड रखते हैं ताकि हर नागरिक को यह जानकारी मिले कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में पथ निर्माण विभाग ने क्या-क्या उपलब्धियां हासिल की है। 2020 से 2025 के बीच विभाग ने बिहार में सड़क और पुल निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। पहले जो दूरी तय करने में 5 से 6 घंटे लगते थे, अब 2 से 3 घंटे में पहुंचना संभव हुआ है। मुख्यमंत्री जी का सपना था कि 2027 तक बिहार के किसी भी हिस्से से राजधानी पटना तक अधिकतम 4 घंटे में पहुंचा जा सके। उस लक्ष्य की दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

प्रमुख परियोजनाएं और उपलब्धियांः मंत्री ने बताया कि इन पांच वर्षों में कई बड़े प्रोजेक्ट पूरे हुए या प्रगति पर हैं। पटना-डोभी फोरलेन सड़क का निर्माण पूरा हुआ, जो लंबे समय से प्रतीक्षित था। सिमरिया पुल का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों उद्घाटन हुआ। गोरखपुर-सिलीगुड़ी,

रक्सौल-हल्दिया, पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। मीठापुर-मुरली चक डबल डेकर ब्रिज, मोकामा-बेगूसराय मार्ग, और गंगा पथ (जीती गंगा एक्सप्रेस) जैसी परियोजनाएं बिहार की कनेक्टिविटी को नई दिशा दे रही हैं। दक्षिण बिहार में सड़क नेटवर्क का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है, जिससे सभी जिलों की राजधानी तक आसान से पहुंचना सुनिश्चित हुई है।

पुल और सड़क रखरखाव नीति बनी देशभर में उदाहरणः नितिन नवीन ने कहा कि बिहार सरकार ने पिछले वर्षों में ब्रिज मेंटेनेंस पॉलिसी लागू की, जिसे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी सराहा। अब बिहार पुल निर्माण ही नहीं, बल्कि उनके रखरखाव की नीति में भी देश का मॉडल बन चुका है। आने वाले समय में विभाग 20,000 किलोमीटर सड़कों के मेंटेनेंस प्लान पर काम करेगा। नितिन नवीन ने कहा कि इन परियोजनाओं से बिहार में सड़क ढांचा और सुदृढ़ होगा और निवेश के नए अवसर पैदा होंगे। मीठापुर अंडरपास सड़क धसने वाली घटना पर मंत्री ने कहा कि वह अंडरपास 25-30 साल पुराना है, उसके नीचे की ट्रेन लाइन ध्वस्त होने से समस्या आई है, इसका सड़क विभाग से कोई लेना-देना नहीं है। हमारी टीम ने निरीक्षण कर पूरी रिपोर्ट तैयार कर ली है और विभाग आवश्यक कार्रवाई कर रहा है।

♦ 2027 तक हर जिले से पटना की दूरी होगी 4 घंटा

जनता देगी नंबर, बिहार की सड़कों की चर्चा अब देशभर मेंः जब मंत्री से पूछा गया कि वे अपने कार्यकाल को कितने अंक देंगे, तो मंत्री ने कहा कि मैं तो खुद कस्टोडियन हूं, मुझे अंक देना उचित नहीं। लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि आज बिहार की सड़कों की चर्चा पूरे देश में होती है। जो भी लोग उत्तर या दक्षिण बिहार जाते हैं, वे महसूस करते हैं कि बिहार अब बदल चुका है। नितिन नवीन ने बताया कि विभाग ने 2027 तक पटना पहुंच लक्ष्य के साथ-साथ 2047 के विकसित बिहार के लिए भी एक 'रोड मैप' तैयार किया है। हमारा सपना है कि बिहार के हर गांव से 40 किलोमीटर के दायरे में किसी न किसी राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय फोरलेन सड़क का संपर्क हो। उसी दिशा में काम चल रहा है।

अस्पताल कैंपस में युवक की हत्या

एजेंसी, पटना

पटना के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र में एक निजी अस्पताल के कैंपस में घुसे युवक (25) की हत्या कर दी गई है। आरोप है कि पीट पीटकर अस्पताल के गेट पर तैनात गार्ड और कर्मियों ने मार डाला है। घटना शनिवार शाम की है। जिस युवक की हत्या हुई है, उसकी अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस युवक की पहचान कराने में जुटी है। दरअसल अस्पताल परिसर में शनिवार की शाम एक अज्ञात युवक घूस गया। वहां से लोहे की छड़ वगैरह उठाकर भागने लगा। इसी बीच अस्पताल के कर्मियों और गेट पर तैनात गार्ड ने उसे पकड़ लिया। पकड़ने के बाद उसकी पिटाई कर दी। स्थिति गंभीर होने पर उसे कैंपस से उठाकर PMCH भेज दिया। अस्पताल में पहुंचने के बाद युवक ने दम तोड़ दिया। घटना के लगभग दो तीन घंटे के बाद अस्पताल के कर्मियों ने इसकी जानकारी डायल 112 को दी। पुलिस पहुंचीं और छानबीन की तो पूरी घटना के बारे में पता चला। जिन लोगों ने युवक के साथ मारपीट की थी, सभी को पाटलिपुत्र थाने की पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इसमें अस्पताल के दो गार्ड और वहां के 3

♦ चोरी की आशंका में पीट-पीटकर मार डाला,निर्माणाधीन बिल्डिंग में घुसा था, 5 लोग गिरफ्तार

स्टाफ शामिल हैं। पूछताछ में सभी ने बताया है कि उन्हें आशंका थी कि युवक चोरी करने की नीयत से कैंपस में घूसा है। इसी बात को लेकर पिटाई कर दी। उन्हें नहीं पता था कि पिटाई के बाद उसकी मौत हो जाएगी। SDPO लॉ एंड ऑर्डर मोहिबुल्ला अंसारी ने बताया निर्माणाधीन बिल्डिंग में एक अज्ञात शख्स घुस आया था। जिसके साथ GS न्यूरो साइंस अस्पताल के कर्मियों ने मारपीट की। इलाज के दौरान मौत हो गई। फिलहाल हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर के वहां जो 5 लोग मौजूद थे, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

बिहटा में प्रसव के बाद महिला की मौत, जमकर हंगामा, परिजन ने लापरवाही का लगाया आरोप

एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा थानाक्षेत्र के मीरा झा रोड स्थित एक निजी क्लीनिक में एक गर्भवती महिला की बच्चे को जन्म देने के बाद रविवार देर रात मौत हो गई। परिजन ने डॉक्टर की लापरवाही का आरोप लगाया है। मृतक की पहचान संतोष कुमार की 25 वर्षीय पत्नी पूजा कुमारी के रूप में हुई है। घटना के बाद क्लीनिक से डॉक्टर और सभी कर्मी फरार हो गए। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

2 साल पहले हुई थी महिला की शादीः जानकारी के अनुसार, पूजा कुमारी की शादी दो साल पहले बिहटा प्रखंड के पैनाठी गांव निवासी संतोष कुमार से हुई थी। यह उनका पहला बच्चा था। रविवार शाम को जब पूजा को पेट में दर्द हुआ, तो परिवार उन्हें बिहटा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गया। वहां तबीयत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उन्हें पटना रेफर कर दिया था। हालांकि, परिवार पटना जाने के बजाय बिहटा के

मीरा झा रोड स्थित महावीर सेवा सदन क्लीनिक में भर्ती कराया। यहां डॉ. राजीव कुमार ने महिला का बड़ा ऑपरेशन कर बच्चे को बाहर निकाला। ऑपरेशन के बाद महिला की तबीयत और बिगड़ने लगी।

बच्चे के जन्म के बाद बिगड़ी थी महिला की हालतः मृतक महिला के पति संतोष कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी को महावीर सेवा सदन में भर्ती कराया था। डॉ. राजीव कुमार ने ऑपरेशन किया और उनकी पत्नी ने बच्चे को जन्म दिया। संतोष ने बच्चे को देखा भी, लेकिन डॉक्टर ने उन्हें पत्नी से मिलने नहीं दिया और कहा कि तबीयत खराब हो रही है, जिसके लिए और पैसे लगेंगे। संतोष पैसे लेने घर गए, इसी बीच डॉक्टर ने अचानक उनकी पत्नी को पटना रेफर कर दिया। जब तक वह वापस पहुंचे, उनकी पत्नी की मौत हो चुकी थी। संतोष ने क्लीनिक के डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया है। घटना की जानकारी मिलने पर लोगों ने हंगामा किया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही डॉक्टर और अन्य कर्मी मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इधर डॉक्टर और कर्मी के फरार होने के बाद महावीर सेवा सदन क्लीनिक में भर्ती अन्य महिला मरीजों को पुलिस की देखरेख में दूसरे अस्पताल में भेजा गया है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि स्थानीय लोगों के द्वारा सूचना मिली कि बिहटा थानाक्षेत्र के मीरा झा रोड स्थित एक क्लीनिक में गर्भवती महिला की मौत हो गई है बच्चे की जन्म देने के बाद तबीयत बिगड़ी और महिला की मौत हो गई फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

❐ डॉक्टर-कर्मी फरार, अन्य महिला मरीजों को दूसरे अस्पताल भेजा गया

मरीज की मौत के बाद अस्पताल में हंगामा परिजन ने तोड़फोड़ की, 2 गाड़ी तोड़ी

एजेंसी, पटना

दानापुर थाना क्षेत्र के सगुना मोड़ स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा और तोड़फोड़ की। इस दौरान एक एंबुलेंस और तीन कारों के शीशे तोड़ दिए गए, साथ ही बिलिंग काउंटर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। परिजनों का आरोप है कि युवक की मौत के बाद जब वे अस्पताल प्रशासन से बात करने गए, तो अस्पताल के बाउंसरों ने उनके साथ मारपीट की। परिजनों ने बाउंसरों पर महिलाओं के साथ भी मारपीट करने का आरोप लगाया है। हंगामे के दौरान दोनों पक्षों के आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही एएसपी शिवम धाकड़, दानापुर थाना और रूपसपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पहले परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उनके उग्र

होने पर भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

मृतक की पहचान मनेर के छितनावा निवासी जितेंद्र राय के 25 वर्षीय पुत्र आकाश कुमार के रूप में हुई है। आकाश के पिता जितेंद्र राय ने बताया कि एक माह पहले उन्हें हाथ की नस में दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां ऑपरेशन के बाद उन्हें चार दिन पहले छुट्टी दे दी गई थी। शनिवार सुबह कमर और पैर में दर्द होने पर उन्हें दोबारा हाईटेक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार सुबह तक उनकी हालत ठीक थी, लेकिन दोपहर में कमजोरी आने लगी। परिजनों ने डॉक्टरों से खून की व्यवस्था करने को कहा, लेकिन शाम सात बजे तक कोई व्यवस्था नहीं की गई। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने आनन-फानन में आकाश को आईसीयू के वेंटिलेटर पर भर्ती कर दिया और परिजनों को मरीज को बाहर से दिखाया गया। कुछ देर बाद डॉक्टरों ने आकाश को मृत घोषित कर दिया। इसी बात को लेकर परिजनों ने हंगामा किया। अस्पताल प्रबंधक आंचल ने बताया कि हार्ट अटैक आने के बाद आकाश की मौत हो गई और मृतक के परिजनों ने हंगामा करते हुए तोड़ फोड़ किया कर दिया। एएसपी शिवम धाकड़ ने बताया कि हाईटेक अस्पताल में इलाज दौरान एक युवक की मौत पर परिजनों ने हंगामा करते हुए पथराव किया गया है।

❐ हाथ की नस में दर्द से युवक हुआ था भर्ती

पटना में 6 नवंबर को होगा मतदान

एजेंसी, पटना

चुनाव आयोग की ओर से विधानसभा चुनाव की आधिकारिक तारीखों की घोषणा कर दी गई है। बिहार में मतदान कुल दो चरणों में कराए जाएंगे। पहला चरण 6 नवंबर 2025 और दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर 2025 को कराया जाएगा। पटना जिले के सभी 14 विधानसभा सीटों पर पहले चरण के तहत 6 नवंबर को वोटिंग कराई जाएगी। चुनाव आयोग की मानक प्रक्रिया के अनुसार, मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा। शहरी क्षेत्रों में आमतौर पर यही समय लागू किया जाता है। कल चुनाव आयोग ने पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि इलेक्शन को छठ त्योहार की तरह मनाना है। सभी राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने संगठन स्तर पर संभावित नामों पर मंथन कर रहे हैं।साल 2020 के विधानसभा चुनाव में पटना जिले में औसत मतदान प्रतिशत लगभग 57 प्रतिशत रहा था। प्रशासन ने इस बार

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तारीखों का ऐलान, प्रशासन ने रखा 'मिशन 60%' का लक्ष्य

"मिशन 60 प्रतिशत" के तहत मतदान प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। विशेष पुनरीक्षण अभियान (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के दौरान बिहार में लगभग 69 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए है। पटना जिले में पिछले ड्राफ्ट मतदाता सूची में कुल 46 लाख 51 हज़ार 694 मतदाता दर्ज थे। सुधार और नए नाम जोड़ने के बाद अब कुल मतदाता 48 लाख 15 हज़ार 294 हो गए हैं।

बिहार चुनाव 2025: आम आदमी पार्टी की पहली सूची जारी

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर आम आदमी पार्टी (AAP) ने अपनी तैयारियों का आगाज कर दिया है। पार्टी ने आज अपनी पहली उम्मीदवार सूची जारी करते हुए 11 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है। पार्टी ने साफ किया है कि वह बिहार में "ईमानदार राजनीति और विकास के मॉडल" को लेकर जनता के बीच जाएगी। जारी सूची के अनुसार, बेगूसराय, दरभंगा, सारण, पूर्णिया, मधुबनी, पटना, किशनगंज, सीतामढ़ी, मोतिहारी और बक्सर जिलों की विभिन्न सीटों से उम्मीदवार उतारे गए हैं।

बिहार में जनता बदलाव चाहती है- आपः प्रदेश प्रभारी अजय यादव ने कहा कि बिहार में जनता बदलाव चाहती है। पारंपरिक दलों से जनता का भरोसा उठ चुका है, और अब समय आ गया है कि आम आदमी की सरकार बने। हमारे उम्मीदवार शिक्षित, स्वच्छ छवि वाले और समाजसेवा से जुड़े लोग हैं। पार्टी आने वाले दिनों में अपने घोषणा पत्र (मेनिफेस्टो) और जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा भी सार्वजनिक करेगी।

फुलवारी बांकीपुर सहित 11 सीटों पर उतारे उम्मीदवार, प्रदेश प्रभारी बोले- जनता बदलाव चाहती है

यह सिर्फ पहली सूची है और जल्द ही दूसरी सूची भी जारी की जाएगी। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि वह इस बार बिहार की जनता के बीच "दिल्ली और पंजाब मॉडल" लेकर जाएगी, जहाँ शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और भ्रष्टाचार-मुक्त शासन उसकी प्रमुख प्राथमिकता होगी।

अररिया में बांध टूटा,1000 घरों में भरा पानी

एजेंसी, पटना

नेपाल में भारी बारिश से कोसी सहित उसकी सहायक नदियां उफान पर हैं। सुपौल के छह प्रखंड बाढ़ से प्रभावित हैं। करीब 100 सौ के 5 हजार घरों में पानी भर गया है। मधुबनी में एक लाख की आबादी प्रभावित हो गई है। नेपाल के सरिसवा नदी में आई बाढ़ ने रक्सौल और उसके आसपास के इलाके में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। बाढ़ का पानी निचले इलाके रामगढ़वा, सुगौली, सेमरा, मोतिहारी तक फैल रहा है। अररिया के पिपरा में प्रमाण नदी का बांध टूट जाने से 4 वार्ड में पानी घुस चुका है। लगभग 1000 घरों में बाढ़ का पानी भर गया है। इधर, वैशाली के गनियारी निचली दियारा इलाके में कटाव से लोगों में दहशत है। इधर, किशनगंज में टेढ़ागाछ से बहादुरगंज को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर चन्द्र गांव पुल के ऊपर से नदी का पानी बह रहा है।

32 जिलों में बारिश का यलो अलर्टः मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी सोमवार को प्रदेश के 32 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो

7 अक्टूबर तक प्रदेश के अधिकांश इलाकों में बादल छाए रहेंगे। इस दौरान कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, कुछ जिलों में तेज बारिश होने की संभावना है। बारिश की वजह से अधिकतम तापमान में गिरावट आएगी। इस दौरान अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जाएगी।

57 साल बाद कोसी बराज से छोड़ा गया 5 लाख क्यूसेक पानीः कोसी बराज से रविवार की देर शाम 8 बजे 5 लाख 19 हजार 470 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया है। 57 साल पहले 5 अक्टूबर को ही कोसी में 7 लाख से अधिक डिस्चार्ज हुआ था। कोसी बराज से इस वर्ष का यह सर्वाधिक वाटर डिस्चार्ज है। इससे सुपौल, अररिया और आसपास के निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। किशनगंज में नदियों के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। नेपाल में लगातार हो रही बारिश के बाद सुपौल में कोसी और मधुबनी में कमला नदी उफान पर है। इससे दोनों जिलों के गांव में बाढ़ जैसे हालात बन गए। करीब 700 घरों में कोसी नदी का पानी घुस गया है। बाढ़ के खतरे को देखते हुए कोसी बराज के 56 गेट खोले गए हैं। सुपौल में बाढ़ के कहर से घर छोड़कर ऊंचे स्थान की ओर लोग जा रहे हैं। शनिवार की शाम से ही कोसी नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी शुरू हो गई थी। इसे देखते हुए देर रात कोसी बराज पर लालबत्ती जला दी गई। साथ ही वाहनों के आनेजान पर रोक लगा दी गई, हालांकि बाद में इसे चालू कर दिया गया। इस दौरान देर रात ही इस सीजन में पहली बार कोसी बराज के सभी 56 फाटक खोल दिए गए थे। सुपौल में संभावित आपदा को लेकर शनिवार की शाम से ही जिला प्रशासन की ओर से लाउडस्पीकर के माध्यम से माइकिंग कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई।

विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान, जिले की सभी 12 विधानसभा सीटों पर दूसरे चरण में मतदान

» जिले में आचार संहिता लागू, 34 लाख 34 हजार से अधिक मतदाता

बीएनएम @ मोतिहारी

चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तारीखों की घोषणा कर दी है। दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुख्य चुनाव आयुक्त ने पूरे कार्यक्रम की जानकारी दी। घोषणा के साथ ही पूरे राज्य में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। इस बार राज्य में दो चरणों में मतदान होगा। जिले की सभी 12 विधानसभा सीटों पर मतदान दूसरे चरण में संपन्न कराया जाएगा। सोमवार को समाहरणालय सभागार में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर चुनावी तैयारियों की जानकारी दी। आचार संहिता लागू, विशेष निगरानी टीम गठित जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने बताया कि जिले के सभी प्रखंडों में आचार संहिता प्रभावी हो गई है। पोस्टर, बैनर और दीवार लेखन पर रोक लगा दी गई है। उल्लंघन की निगरानी के लिए विशेष निगरानी टीम और फ्लाइंग स्क्वॉड तैनात किए गए हैं। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान के लिए सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की जा रही है। सभी संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील बूथों की पहचान कर ली गई है। वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। सीमावर्ती इलाकों में चौकसी बढ़ा दी गई है।

34 लाख 34 हजार 575 मतदाता मतदान के पात्र- जिले की 12 विधानसभा सीटों पर कुल 34,34,575 मतदाता हैं। इनमें 18,30,935 पुरुष, 16,35,175 महिलाएं और 64 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। पिपरा विधानसभा में सर्वाधिक मतदाता हैं, जबकि कल्याणपुर में सबसे कम है।

विधानसभावार मतदाता विवरण—

- **रक्सौल** - 2,85,258 (पुरुष 1,52,618, महिला 1,32,630, ट्रांसजेंडर 10)
- **सुगौली** - 2,82,243 (पुरुष 1,50,443, महिला 1,31,789, ट्रांसजेंडर 11)
- **नरकटिया** - 3,00,398 (पुरुष 1,61,012, महिला 1,39,383, ट्रांसजेंडर 3)
- **हरसिद्धि** - 2,73,415 (पुरुष 1,43,985, महिला 1,29,430, ट्रांसजेंडर 0)
- **गोविंदगंज** - 2,63,579 (पुरुष 1,38,918, महिला 1,24,659, ट्रांसजेंडर 2)
- **केसरिया** - 2,60,162 (पुरुष 1,38,549, महिला 1,21,614, ट्रांसजेंडर 0)
- **कल्याणपुर** - 2,55,358 (पुरुष 1,36,615, महिला 1,18,743, ट्रांसजेंडर 0)
- **पिपरा** - 3,35,227 (पुरुष 1,78,921, महिला 1,56,304, ट्रांसजेंडर 2)
- **मधुबन** - 2,64,519 (पुरुष 1,40,998, महिला 1,23,606, ट्रांसजेंडर 15)
- **मोतिहारी** - 2,91,467 (पुरुष 1,56,117, महिला 1,35,346, ट्रांसजेंडर 4)
- **चिरैया** - 2,88,359 (पुरुष 1,54,991, महिला 1,33,360, ट्रांसजेंडर 8)
- **ढाका** - 3,34,590 (पुरुष 1,77,768, महिला 1,56,813, ट्रांसजेंडर 9)

एसपी बोले– मतदाता को डराने या प्रभावित करने की सूचना तुरंत दें

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 के मद्देनजर पूर्वी चंपारण जिले में सुरक्षा और चुनावी तैयारियों को लेकर पुलिस अधीक्षक ने मीडिया से वार्ता की। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कोई भी व्यक्ति किसी मतदाता को डराने, धमकाने, प्रभावित करने या लुभाने की कोशिश करता है, तो इसकी सूचना उन्हें या जिला प्रशासन को तुरंत दी जाए। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में अर्धसैनिक बल की कंपनियों का आगमन शुरू हो गया है और अभी तक 24 कंपनियां पहुँच चुकी हैं। इन बलों के माध्यम से फ्लैग मार्च कराए जा रहे हैं। जिले में कुल 70 चिन्हित स्थानों पर 24 घंटे कार्यरत चेक पोस्ट बनाए गए हैं, जिन पर पुलिस और दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अभियान चलाकर हॉटस्पॉट क्षेत्रों पर विशेष छापेमारी की जा रही है। कुल 46,000 लोगों के बाउंड डाउन का प्रस्ताव भेजा गया है, जिसमें से आधे से अधिक के बंध पत्र भरवाए गए हैं। इसके अलावा, 100 से अधिक लोगों को थाना/जिला बदर किया गया, जबकि 6,400 लोगों का नाम गुंडा पंजी में दर्ज किया गया है। इनकी नियमित सत्यापन प्रक्रिया की जा रही है। जिले में शस्त्र सत्यापन भी किया गया है और अवैध हथियार जमा कराए गए हैं। इच्छुक लोग अपने शस्त्र संबंधित थाने में जमा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ महीनों में 50 लाख रुपये कैश, 2 लाख नेपाली करेंसी, 6 करोड़ रुपये की शराब और 20 करोड़ रुपये से अधिक के मादक पदार्थ जब्त किए जा चुके हैं। जिला में 39 चिन्हित स्थानों पर एसएसटी और एफएसटी टीम बनाई गई हैं और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 64 चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि चुनाव में धनबल और बाहुबल पर किसी भी तरह की छूट नहीं दी जाएगी और किसी को भी अवैध गतिविधियों की अनुमति नहीं होगी। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में जिले के सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के जिला प्रतिनिधि उपस्थित थे।

चुनाव को लेकर प्रशासन अलर्ट, हरसिद्धि में पुलिस-अर्धसैनिक बलों ने किया फ्लैग मार्च

बीएनएम @हरसिद्धि

विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और मतदाताओं में विश्वास कायम करने के उद्देश्य से सोमवार को हरसिद्धि थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर सर्वेंद्र कुमार सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस बल और अर्धसैनिक बलों ने हरसिद्धि थाना परिसर से मार्च की शुरुआत की। यह फ्लैग मार्च सेवरहा, मानिकपुर, ओलाहा, भादा पंचायत, मटियारिया, मानिकपुर होते हुए पकड़िया गांव समेत पूरे इलाके से होकर गुजरा। इस दौरान थानाध्यक्ष ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और ग्रामीणों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किसी भी तरह की अराजकता या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस और प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना हैं और मतदान को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष बनाने के लिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य लोगों में विश्वास पैदा करना और असामाजिक तत्वों को सख्त संदेश देना है, ताकि क्षेत्र में विधि-व्यवस्था कायम रहे।

महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर तेजस्वी सक्रिय, भीआइपी के साथ की अहम बैठक

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर हलचल तेज हो गई है। सभी घटक दलों की कॉर्डिनेशन कमेटी की बैठक खत्म होने के बाद नेता तेजस्वी यादव आज अलग-अलग सहयोगी दलों के नेताओं से बातचीत में जुटे रहे। इसके अलावा तेजस्वी ने कांग्रेस नेताओं के साथ भी अलग से चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस को मिलने वाली सीटों की संख्या 56 से बढ़ाकर 58 तक हो सकती है।वीआईपी को 18 से 20 सीटें देने पर भी चर्चा हो रही है। वहीं, मुकेश सहनी ने डिप्टी सीएम पद पर अपने नाम को घोषित करने की शर्त रखी है। इस पर तेजस्वी ने अब फैसला कांग्रेस के पाले में डाल दिया है। कहा जा रहा है कि साझा ऐलान से पहले कांग्रेस का सीएम फेस तय होना जरूरी है।महागठबंधन के भीतर कल देर शाम तक यदि आपसी सहमति बन जाती है, तो 7 अक्टूबर को सभी दलों की ओर से साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सीट शेयरिंग का ऐलान किया जा सकता है। इसके साथ ही तेजस्वी यादव अलग-अलग वाम दलों के नेताओं से भी बैठक करेंगे। सूत्रों के अनुसार, CPI और CPM को मिलने वाली सीटें पिछले चुनाव की तुलना में एक-दो बढ़ाई जा सकती हैं।इस तरह महागठबंधन की रणनीति अंतिम रूप लेने की ओर तेजी से बढ़ रही है।

आचार संहिता लागू होते ही प्रशासन सक्रिय, पोस्टर-बैनर हटाने की मुहिम तेज

बीएनएम @मोतिहारी

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। संहिता लागू होते ही जिला प्रशासन ने सार्वजनिक स्थलों से राजनीतिक प्रचार सामग्री हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नगर निकायों, प्रखंडों और पंचायत स्तरीय टीमों को चौक-चौराहों, मुख्य सड़कों, सरकारी भवनों, स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड और अन्य सार्वजनिक परिसरों से बैनर, पोस्टर, होर्डिंग और दीवार लेखन हटाने का निर्देश दिया गया है। **जिला पदाधिकारी की सख्त चेतावनी**-डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि किसी भी सरकारी भवन, सार्वजनिक स्थल या परिसंपत्ति पर राजनीतिक दलों की प्रचार सामग्री नहीं दिखनी चाहिए। उल्लंघन करने पर सम्बन्धित दलों और व्यक्तियों के विरुद्ध आचार संहिता उल्लंघन की कार्रवाई होगी। नगर परिषद, नगर पंचायत और ग्रामीण निकायों की टीमें सुबह से अभियान में जुटी हुई हैं। **निगरानी के लिए विशेष टीम गठित**-जिले में फ्लाइंग स्क्वॉड, वीडियो सर्विलांस टीम और मॉनिटरिंग सेल गठित किए गए हैं। ये टीमें आचार संहिता से जुड़े मामलों की निगरानी करेंगी और रोजाना रिपोर्ट देंगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि ऑनलाइन प्रचार में संहिता उल्लंघन न हो। **राजनीतिक दलों को निर्देश**-आचार संहिता लागू होने के साथ ही राजनीतिक दलों को निजी संपत्तियों पर प्रचार सामग्री लगाने के लिए संपत्ति मालिक की लिखित अनुमति अनिवार्य कर दी गई है। बिना अनुमति लगाए गए पोस्टर-बैनर तुरंत हटाए जा रहे हैं। इसके अलावा किसी भी कार्यक्रम, रैली, जुलूस या सभा के लिए अब प्रशासन से पूर्व अनुमति लेनी होगी।

ओलाहा में गेट-ग्रिल की दुकान से साढ़े चार लाख की चोरी

चोरों ने दुकानदार को अंदर बंद कर हथियार का भय दिखाया, घटना सीसीटीवी में कैद

बीएनएम @ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के ओलाहा मेहता टोला पंचायत में रविवार रात गेट-ग्रिल की दुकान से बड़ी चोरी की वारदात सामने आई। दुकानदार अजय साह की दुकान से चोरों ने करीब साढ़े चार लाख रुपये मूल्य की सामग्री चोरी कर ली। जानकारी के अनुसार, अजय साह दुकान में सोए हुए थे, तभी रात लगभग 12 बजे पिकअप गाड़ी में सवार अज्ञात चोर वहां पहुंचे। चोरों ने दुकान के हैंडल से उन्हें अंदर बंद कर दिया और हथियार का भय दिखाते हुए बाहर रखे गेट-ग्रिल को पिकअप में लादकर फरार हो गए। घटना की पुष्टि सुबह तब हुई जब अजय साह ने दरवाजा खोलने की कोशिश की और शोर मचाया। सूचना मिलने पर थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर सर्वेंद्र कुमार सिन्हा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है, जिससे चोरों की पहचान जल्द की जाएगी। लिखित आवेदन मिलने पर अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में चोरी की यह पहली घटना नहीं है और अक्सर चोरी की वारदातें बढ़ रही हैं, जिससे दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से गश्ती बढ़ाने और रात्रि सुरक्षा सुदृढ़ करने की मांग की है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की गिरफ्तारी और चोरी की गई संपत्ति की बरामदगी सुनिश्चित की जाएगी।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण विषयक विशेष व्याख्यान आयोजित

» समाज के पांच लोगों को पर्यावरण संरक्षण में योगदान के लिए सम्मानित किया गया

बीएनएम @मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय और पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, मोतिहारी के संयुक्त तत्वावधान में "पर्यावरण संरक्षणः महत्व और उपाय" विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन आचार्य बृहस्पति सभागार, महात्मा बुद्ध परिसर, एमजीसीयू में किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। अध्यक्षता कुलानुशासक एवं गांधी परिसर के निदेशक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने की। विशिष्ट वक्ताओं में श्री गोपाल जी आर्य, राष्ट्रीय संयोजक, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, भारत और डॉ. अरुण कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, महावीर कैंसर संस्थान, पटना शामिल थे। विषय प्रवर्तन कार्यक्रम संयोजक सुधांशु मिश्र ने किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। श्री गोपाल जी आर्य ने जल, जंगल, जमीन, जानवर और अन्न के संरक्षण के महत्व पर जोर दिया और "हेड, हर्ट और हैंड" के समुचित उपयोग के माध्यम से पर्यावरण संवर्धन पर प्रकाश डाला। डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि कैसे जल और अन्य तत्वों के माध्यम से घातक पदार्थ हमारे शरीर में प्रवेश कर कैंसर जैसी बीमारियाँ फैला रहे हैं। कार्यक्रम में मोतिहारी समुदाय के सुशील कुमार, केशव कृष्णा, डॉ. कमलेश, श्रीमती चन्द्रलता वर्मा और श्री हरि शंकर कुमार गुप्ता को पर्यावरण संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान के लिए स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र के माध्यम से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमित रंजन, सहायक प्राध्यापक, जन्तु विज्ञान विभाग ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आर्तत्राण पाल, विभागाध्यक्ष जन्तु विज्ञान विभाग ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक और सैकड़ों गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. एस.के.एस महिला महाविद्यालय में नए परीक्षा भवन का हुआ उद्घाटन

बीएनएम @ मोतिहारी। शहर के डॉ. श्रीकृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह तथा नगर विधायक प्रमोद कुमार द्वारा दिए गए परीक्षा भवन का उद्घाटन नगर विधायक प्रमोद कुमार के द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर महापौर डॉ. लालबाबू प्रसाद, वरुण सिंह, महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नलिन विलोचन तथा महाविद्यालय परिवार के अधिकांश सदस्य उपस्थित थे। महविद्यालय को इतना सुन्दर उपहार देने के लिए सांसद को महाविद्यालय परिवार ने धन्यवाद दिया और कहा कि महाविद्यालय की छात्राओं को परीक्षा लेने की जो समस्या थी वह अब इस भवन में हुआ करेगी। परीक्षा के कारण कक्षाएं बाधित होती थी। आधी आबादी के बौद्धिक विकास को देखते हुए परीक्षा भवन अति आवश्यक था, जिसे स्थानीय सांसद तथा विधायक ने पूरा किया। मौके पर महाविद्यालय की शिक्षकों में डॉ. नीतू कुमारी, डॉ. मो. इरशाद आलम, डॉ. कुमारी रोशनी विश्वकर्मा, डॉ. मनोरमा राय, डॉ. ज्योति कुमारी, डॉ. अमृता सिंह तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में लवली सिंह, भास्कर गुप्ता, विकास कुमार, नेहल कुमार, अमन कुमार, अमित कुमार, ज्ञान प्रकाश, प्रकाश कुमार, अरविंद संतोष, संजय सहित अन्य उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य कारणों से ड्यूटी से छूट मांगने वाले मतदान कर्मियों की होगी जांच

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारियों के तहत पूर्वी चंपारण जिला प्रशासन ने मतदान ड्यूटी से स्वास्थ्य कारणों के आधार पर छूट मांगने वाले कर्मियों के लिए मेडिकल जांच की व्यवस्था की है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है। यह बोर्ड 07 और 08 अक्टूबर को समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन में बैठेगा और सभी आवेदक मतदान कर्मियों की स्वास्थ्य जांच करेगा। चिकित्सा परीक्षण के लिए संबंधित कर्मियों को निर्धारित तिथि पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति-मेडिकल टीम की सहायता के लिए कार्मिक कोषांग के वरीय पदाधिकारी अपर समाहर्ता पूर्वी चंपारण को अध्यक्ष बनाया गया है। उनके नेतृत्व में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी और कर्मी मेडिकल बोर्ड को आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे।

जांच रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई-जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि चिकित्सा पदाधिकारियों द्वारा जांच के बाद तैयार प्रतिवेदन के आधार पर ही संबंधित कर्मियों का नाम मतदान ड्यूटी से हटाने की कार्रवाई की जाएगी। बिना चिकित्सीय प्रमाण के किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

छापेमारी में खाली बोतलें, बीयर कैन और अन्य अवैध सामग्री बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में शराबबंदी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सघन छापामारी की। कार्रवाई के दौरान विभिन्न आकार की खाली शराब की बोतलें, बीयर की खाली कैन और अन्य अवैध सामग्री जब्त की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस कदम का उद्देश्य शराबबंदी का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना और अवैध कारोबार पर रोक लगाना है। पुलिस ने कई संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की है। इनमें धीरज यादव (पिता नागेन्द्र यादव, निवासी पट्टीबुकानी, थाना पताही), निर्भय कुमार (पिता शशिभूषण कुमार, निवासी मठिया डीह, थाना छतौनी) और संदीप राम (पिता स्व. दुखी राम, निवासी भटकरजा, थाना संग्रामपुर) शामिल हैं। आरोप है कि ये लोग अवैध शराब की बिक्री या वितरण में संलिप्त हो सकते हैं। छापामारी का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिलीप कुमार ने किया। उनके साथ छतौनी थानाध्यक्ष सुनील कुमार, अपर थानाध्यक्ष और अन्य पुलिस अधिकारी व सशस्त्र बल की टीमें भी मौजूद रहीं। टीम ने दुकानों, गोदामों और संदिग्ध स्थलों की जांच कर अवैध सामग्री जब्त की। जिला प्रशासन ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगामी दिनों में भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आम नागरिकों से अपील की गई है कि यदि उन्हें अवैध शराब की बिक्री या वितरण की जानकारी मिले तो पुलिस को तुरंत सूचित करें। पुलिस ने बताया कि बरामद सामग्री और संदिग्ध व्यक्तियों के मामलों में आगे की जांच जारी है और जल्द ही कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हरसिद्धि में बाइक चोर गिरफ्तार, चोरी की पल्सर बरामद

गुप्त सूचना पर धवही गांव में छापेमारी, पुलिस ने दिखाई तत्परता

बीएनएम @ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए हरसिद्धि पुलिस ने रविवार रात एक बड़ी सफलता हासिल की। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर सर्वेंद्र कुमार सिन्हा के नेतृत्व में की गई छापेमारी में पुलिस ने एक बाइक चोर को गिरफ्तार कर चोरी की पल्सर बाइक बरामद की। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बैरियाडीह पंचायत के धवही गांव में चोरी की बाइक छिपाकर रखी गई है। सूचना के आधार पर देर रात छापेमारी की गई, जहां से उमेंश कुमार (पिता विजय यादव, निवासी धवही) को चोरी की बाइक (BR 30 R 5383) के साथ गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है, जिससे अन्य चोरी की घटनाओं का भी खुलासा होने की संभावना है। इस मामले में हरसिद्धि थाना कांड संख्या 674/25 दर्ज कर ली गई है। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष के अलावा अपर थानाध्यक्ष सीमा कुमारी, दरोगा अभिनाश कुमार और सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे। पुलिस ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी ताकि क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था कायम रहे।

वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम @ जमुई / झाझा। पुलिस ने फरार चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार वारंटी की पहचान थाना क्षेत्र के छुछुनरिया, नवकाडीह गांव का रंजीत रविदास के रूप में हुई । वारंटी को पुलिस ने उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में चार घायल

बीएनएम @ जमुई / झाझा। जीविका के तहत महिलाओं को मिल रहे दस हजार रुपए में फॉर्म भरने से जुड़ी बात को लेकर सतीघाट गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई जिसमें कुल चार लोग घायल हो गया जिसमें एक तीन माह की गर्भवती युवती भी शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुआ। एक पक्ष से घायल में शमसुद्दीन उसकी पत्नी खुशनारा खातून और बेटा शमशाद शामिल हैं जबकि दूसरे पक्ष से गर्भवती रजिया खातून घायल हुई। खुशनारा ने बताई की गांव में जीविका के तहत मिल रहे रुपए का फॉर्म गांव की एक महिला 500 रुपए लेकर भर रही थी जिसपर मैने इस बात को लेकर अपने परिवार मे रुपए नही देने की बात कह रहे थे तभी रजिया और उसकी बहन मुझे और मेरे बेटे के साथ मारपीट करने लगा और जब मेरा पति बचाने की कोशिश किया तो उसके गाल में दोनो बहन ने दांत काटकर जख्मी कर दिया। रजिया की माह ने बताया कि बिना बात के ही पहले पक्ष ने मेरी गर्भवती बेटी के साथ ईट से मारपीट करते हुए पेट पर लात से मारकर घायल कर दिया।

युवक पर हमला

बीएनएम @ जमुई / झाझा। नगर क्षेत्र के शिवनंदन यादव पार्क के पास बैठे एक युवक पर अचानक युवकों के झुंड ने हमला कर घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची डायल 112 की पुलिस ने एक युवक को पकड़ने के बाद घायल युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जहां डॉक्टर ने घायल का इलाज किया । घायल युवक की पहचान गोंगाकुरा गांव के रहने वाले करण कुमार के रूप में हुई। घायल युवक ने बताया कि जब मैं पार्क के पास बैठा था तभी 10-15 युवक आया और मेरे साथ बेल्ट, हाथ मे पहने लोहे के कड़ा से मारकर घायल कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

जन सुराज पार्टी की विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू

बीएनएम @ समस्तीपुर। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जन सुराज पार्टी ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में सोमवार को सरायरंजन विधानसभा क्षेत्र के गांधी चौक स्थित एक सभा स्थल पर पार्टी की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रत्याशी चयन प्रक्रिया को लेकर संगठन के सभी स्तरों के पदाधिकारी, संभावित प्रत्याशी, संस्थापक सदस्य और प्राथमिक सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का संचालन राज्य मुख्यालय द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक बसंत चौधरी और राजीव कुमार की देखरेख में किया गया। इस दौरान सभी संभावित प्रत्याशियों ने अपनी उम्मीदवारी के समर्थन में अपने विचार रखे। प्रत्याशियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद संस्थापक और प्राथमिक सदस्यों ने अपनी राय बंद लिफाफे में पर्यवेक्षकों को सौंपी। पर्यवेक्षक इन सुझावों और राय के आधार पर अपनी विस्तृत रिपोर्ट राज्य नेतृत्व को सौंपेंगे। पार्टी की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत ही प्रत्याशियों का चयन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 3 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक बिहार के सभी विधानसभाओं में चरणबद्ध रूप से आयोजित किया जा रहा है। बैठक में जिला अध्यक्ष संजय सिंह, जिला प्रभारी सुरेश पटेल, जिला संगठन महामंत्री, जिला प्रवक्ता हरेंद्र सिंह, महिला जिलाध्यक्ष रिंकी पासवान, संभावित प्रत्याशी विजय कुमार, रामचंद्र निषाद, राकेश शाह, सज्जन मिश्रा समेत अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता और क्षेत्रीय जनता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। बैठक के अंत में उपस्थित सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि जन सुराज पार्टी जनता के विश्वास और भागीदारी पर आधारित राजनीति की नई दिशा दे रही है। पार्टी का उद्देश्य है कि प्रत्याशी चयन से लेकर नीति निर्माण तक हर निर्णय में जनता की राय को सर्वोपरि रखा जाए।

आर्मी जवान ने की ताबड़तोड़ फायरिंग की, चार लोग जख्मी

बीएनएम @ समस्तीपुर। सिंघिया थाना क्षेत्र के लगमा गांव में सोमवार को एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। सेना में कार्यरत जवान नवीन सिंह ने अपने ही भाइयों और उनके परिवार पर सर्विस रिवॉल्वर से अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोलीबारी की इस वारदात में एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों में सेना से रिटायर्ड जवान महेश सिंह, उनके भाई सुरेश सिंह, सुरेश सिंह की पत्नी रंजना देवी और उनका पुत्र गुलशन सिंह शामिल हैं। सभी को पेट और पैर में गोली लगी है। स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डीएमसीएच दरभंगा रेफर कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, घटना की शुरुआत बारिश के पानी के बहाव को लेकर हुए मामूली विवाद से हुई थी। देखते ही देखते कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया और गुस्से में आकर जवान नवीन सिंह ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से दर्जनों राउंड फायरिंग कर दी। गोलियों की आवाज से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई और लोग दहशत में घरों में दुबक गए। सूचना मिलते ही सिंघिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से कई खोखा बरामद किए हैं। रोसड़ा डीएसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला आपसी विवाद का प्रतीत हो रहा है। वहीं, घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी जवान नवीन सिंह ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर के साथ थाने में पहुंच अपनी सर्विस रिवाल्वर के साथ सरेंडर कर दिया है।

मसौढ़ी में मध निषेध विभाग की छापेमारी, ड्रोन से 10 अवैध भट्टियां नष्ट कीं, 300 शराब जब्त, 2 गिरफ्तार

बीएनएम @ पटना। पटना के मसौढ़ी में मध निषेध विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 300 लीटर देसी शराब जब्त की है। इस दौरान दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई रविवार, 5 अक्टूबर 2025 को नादौल मध निषेध चेक पोस्ट पर की गई। विभाग ने अभियान के दौरान आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया। ड्रोन की मदद से इलाके की गहन निगरानी की गई, जिससे 10 अवैध देसी शराब की भट्ठियों का पता चला। इन सभी भट्ठियों को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। यह कार्रवाई मध निषेध विभाग, मसौढ़ी, पटना के अधीक्षक संजय कुमार चौधरी के नेतृत्व में हुई। अधीक्षक संजय कुमार चौधरी ने बताया कि बिहार सरकार की शराबबंदी नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विभाग पूरी तत्परता से काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए शराब की तस्करी और अवैध निर्माण पर अंकुश लगाने के लिए विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। मध निषेध विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के खिलाफ यह अभियान आने वाले दिनों में और भी सघन रूप से जारी रहेगा। विभाग का मुख्य उद्देश्य राज्य में अवैध शराब के उत्पादन, परिवहन और बिक्री पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करना है। इस कार्रवाई से यह संदेश दिया गया है कि कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे और शराबबंदी कानून को कमजोर नहीं होने दिया जाएगा। विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे अवैध शराब से संबंधित किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन या मध निषेध विभाग को दें।

सीमा सुरक्षा के साथ एसएसबी करा रहा निः शुल्क पलंबिंग और मोबाइल रिपेयरिंग कोर्स प्रशिक्षण

बीएनएम @मोतिहारी

71 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के द्वारा प्रफुल्ल कुमार कमांडेंट के निर्देशन एवं शेयरिंग चौशगियाल सहायक कमांडेंट की अध्यक्षता में सीमा चौकी जमुनिया के कार्यक्षेत्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालय +2 टोनवा हाई स्कूल में सीमावर्ती क्षेत्रों के पढ़े-लिखे बेरोजगार युवकों के लिए 20 दिवसीय पलंबिंग कोर्स और मोबाइल रिपेयरिंग कोर्स प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण की शुरुआत मुख्य अतिथि आनंद कुमार अंचलाधिकारी, घोड़ासहन के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान 71 वीं वाहिनी स.सी.ब. मोतिहारी के शेयरिंग चौशगियाल सहायक कमांडेंट ने सभी प्रशिक्षुओं की बताया कि भारत सरकार के द्वारा समय-समय पर सीमा के युवक व युवतियों के कौशल विकास हेतु ऐसे प्रशिक्षण सशस्त्र सीमा के माध्यम से दिया जाता है इसमें सीमावर्ती क्षेत्र के स्थानीय ग्रामीण आकर निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है और अपने को स्वालंबी बना सकते है। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि आनंद कुमार ने बताया कि सशस्त्र सीमा बल के द्वारा कराए जा रहे ऐसे प्रशिक्षणों के माध्यम से सभी ग्रामीणों का कौशल विकास हो रहा है। लोग सीमा पर गलत कार्यों को छोड़कर अपने को अच्छे कार्यो में लगाएं और लोग स्वालंबी बने और साथ ही उससे व्यवसायिक लाभ भी प्राप्त कर सकते है। गलत काम जैसे मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त न हो और एसएसबी के आंख कान बनके ऐसे गलत कार्यों को रोकने में सहयोग करें ताकि देश तरक्की करे। कार्यक्रम में उपस्थित असलम अंसारी थाना अध्यक्ष (थाना झरोखर) ने बताया कि सशस्त्र सीमा बल के द्वारा कराए जा रहे ऐसे प्रशिक्षणों के माध्यम से सभी ग्रामीणों का कौशल विकास हो रहा है। लोग सीमा पर गलत कार्यों को छोड़कर अपने को अच्छे कार्यों में निहित कर रहे है और लोग स्वालंबी बन रहे है साथ ही उससे व्यवसायिक लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के दौरान उच्चतर माध्यमिक विद्यालय +2 टोनवा स्कूल के बच्चियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं बेटी बचाओ के ऊपर नाट्य अभिनय किया गया।

बिहार विधानसभा चुनाव : समस्तीपुर में विशेष समीक्षा बैठक संपन्न

बीएनएम @समस्तीपुर

दिशा निर्देश देते अधिकारी

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारियों को लेकर समस्तीपुर समाहरणालय सभागार में एक विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने बैठक की अध्यक्षता की। इसमें जिले के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य निर्देश एवं अपीलः शांति, निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ चुनाव संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने सभी दलों से सहयोग की अपील की।आदर्श आचार संहिता (Model Code of Conduct) लागू होते ही सरकारी योजनाओं का उद्घाटन, वित्तीय अनुदान या नई नियुक्तियाँ पूरी तरह प्रतिबंधित हो जाएंगी। सरकारी संसाधनों (वाहन, भवन, कार्मिक, आदि) का राजनीतिक हित में उपयोग पूर्णतः निषिद्ध है।सार्वजनिक मीटिंग, सभा या हेलीपैड निर्माण के लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य होगी।धर्म, जाति, भाषा या समुदाय के आधार पर तनाव पैदा करने वाला प्रचार-प्रसार या धार्मिक स्थलों/नेताओं के माध्यम से मतदान की अपील सख्त मना है।मतदाताओं को लुभाने के लिए कपड़े, भोजन, नकद या वाहन सुविधा प्रदान करना पूरी तरह वर्जित है।लाउडस्पीकर का प्रयोग केवल सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक, अनुमति के आधार पर ही किया जा सकेगा। मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों (SVEEP) को प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया गया। जिलाधिकारी ने आचार संहिता उल्लंघन की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सभी राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों ने आदर्श आचार संहिता का पालन करने का आश्वासन दिया।

सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना :- जनक राम

» 150 अभ्यर्थियों को नौकरी, 100 लाभुकों को मिला शौचालय, मंत्री ने किया सामुहिक वितरण

बीएनएम @बगहा

नियुक्ति पत्र प्राप्त करते लाभुक

अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री सह पश्चिम चम्पारण के प्रभारी मंत्री, जनक राम ने गाँधी सभागार (प्रेक्षा गृह) में आयोजित एक भव्य समारोह में विभिन्न योजनाओं के तहत सैकड़ों लाभुकों को नियुक्ति पत्र, आवास की सांकेतिक चाबी, भूमि का पर्चा, जविप्र अनुज्ञप्ति, शौचालय निर्माण अनुदान स्वीकृति पत्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।इस अवसर पर मंत्री जनक राम ने कहा कि सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। आज का यह सामूहिक वितरण कार्यक्रम सुशासन और जनकल्याण की दिशा में एक सशक्त कदम है।मंत्री ने सभी लाभुकों और पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि जनहित की योजनाओं का लाभ पारदर्शी रूप से सभी पात्र लोगों तक पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता है।कार्यक्रम के दौरान जिले के 601 भूमिहीन लाभुकों को भूमि का पर्चा प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 200 लाभुकों को आवास निर्माण पूर्ण करने पर सांकेतिक चाबी, जबकि लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत 100 लाभुकों को शौचालय अनुदान स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। वहीं 202 लाभुकों को जन वितरण प्रणाली विक्रेता का अनुज्ञप्ति प्रदान किया गया। जिसमें नरकटियागंज अनुमंडल अंतर्गत 184 एवं बगहा अनुमंडल अंतर्गत 18 लाभुक शामिल हैं। इसके अलावा अनुकंपा के आधार पर नवनियुक्त 150 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए।स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले ठकराहा, लौरिया और गौनाहा के प्रखंड विकास पदाधिकारी, लौरिया एवं नौतन के प्रखंड समन्वयक, तथा सेमरा कटकुइया (बगहा-02) पंचायत की माननीय मुखिया को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांसद, डॉ. संजय जायसवाल, विधायक, विनय बिहारी, विधान पार्षद, आफाक अहमद, भीष्म सहनी, उप विकास आयुक्त, सुमित कुमार, अपर समाहर्ता, राजीव रंजन सिन्हा, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच), कुमार रविन्द्र, निदेशक, डीआरडीए, अरुण प्रकाश, अनुमंडल पदाधिकारी, नरकटियागंज, सूर्य प्रकाश गुप्ता, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, राकेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 85 हजार से अधिक महिलाओं के खातों में राशि अंतरण

» महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम

बीएनएम @समस्तीपुर

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत सोमवार को जिला समाहरणालय, समस्तीपुर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने राज्यभर की 21 लाख से अधिक लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 की सहायता राशि डीबीटी (Direct Benefit Transfer) के माध्यम से अंतरण किया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले भर में किया गया, जिसे हजारों महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ देखा। समाहरणालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आई महिलाओं ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सचिव, ग्रामीण विकास विभाग ने कहा कि यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार का एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक सहायता के रूप में दी गई 10,000 की राशि से महिलाएं अपना स्वरोजगार शुरू करेंगी, जिसके उपरांत आकलन के आधार पर उन्हें दो लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता भी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्री रौशन कुशवाहा, उप विकास आयुक्त सुश्री शैलजा पांडेय, राज्य परियोजना प्रबंधक (जीविका) श्री विश्वविजय, तथा डीपीएम श्री बिक्रांत शंकर सिंह सहित जीविका से जुड़े अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। अब तक समस्तीपुर जिले में कुल 5,14,561 महिलाओं को इस योजना के तहत 10,000-10,000 की राशि अंतरण की जा चुकी है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र की 4,71,961 एवं शहरी क्षेत्र की 42,600 महिलाएं शामिल हैं। आज के कार्यक्रम के दौरान ही जिले की 85 हजार से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में राशि भेजी गई। जिले के सभी 20 प्रखंडों, 69 संकुल स्तरीय संघों एवं 3,445 ग्राम संगठनों में भी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें लगभग 2,54,345 महिलाओं ने भाग लिया। महिलाएं प्रोजेक्टर, टेलीविजन और टैबलेट के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ीं। इस योजना के माध्यम से न केवल महिलाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं, बल्कि वे आर्थिक रूप से सशक्त और गरिमामय जीवन जीने की दिशा में अग्रसर हो रही हैं।

हरिद्वार से आयी ज्योति कलश रथ शोभा यात्रा का परिभ्रमण

बीएनएम @जमुई / झाझा

शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालु

नगर परिषद क्षेत्र स्थित स्थानीय गायत्री जान मंदिर के प्रांगण से अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज, हरिद्वार से आयी ज्योति कलश रथ शोभा यात्रा का परिभ्रमण किया गया जो गायत्री ज्ञान मंदिर प्रांगण में कलश पूजन व आरती के बाद रेलवे स्टेशन मुख्य रोड से होते हुए दुर्गा मंदिर, गांधी चौक, बजरंग चौक होते हुए पुनः गायत्री मंदिर पहुंची। गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता ज्ञानप्रकाश ने बताया कि अखिल विश्व गायत्री परिवार के पूरे सौ वर्ष, पूज्य गुरुदेव द्वारा प्रज्वलित अखंड दीपक के सौ वर्ष व परम वंदनीय माताजी के जन्म शताब्दी के संयोग के उपलक्ष्य में यह ज्योति कलश रथ शांतिकुंज हरिद्वार के क्षेत्रीय भ्रमण में निकली हैं। पूज्य गुरुदेव की अखण्ड ज्योति के प्रकाश को जन-जन तक पहुँचाकर, मानव में देवत्व जगाना और एक समर्थ, समृद्ध, संस्कारी व धरती पर स्वर्ग के समान समाज की स्थापना करना है। यह यात्रा गुरुदेव के विचारों, साहित्य और युगनिर्माण के संदेश को घर-घर तक पहुंचाती है और समाज में सकारात्मकता, आध्यात्मिक जागरण और नैतिक उत्थान का प्रयास करती है। मौके पर गायत्री परिवार के रामलखन वर्णवाल, बमशंकर वर्णवाल, लाली वर्णवाल, आशीष कुमार, रश्मि देवी, पूजा देवी, सोनी देवी, सुधीर प्रसाद, अजय कुमार, नीतीश कुमार प्रिंस समेत गायत्री परिवार के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिपाही प्रशिक्षण केंद्र और बीएमपी-11 की चहारदीवारी का कार्य शीघ्र प्रारंभ

बीएनएम @जमुई/सिमुलतला

» सिमुलतला में विकास कार्यों को मिली रफ्तार
» संवेदकों का चयन, करोड़ों की लागत से होंगे निर्माण कार्य

सिमुलतला क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। सिपाही प्रशिक्षण केंद्र एवं बीएमपी-11 भवन के चारदीवारी निर्माण कार्य के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अब दोनों परियोजनाओं पर शीघ्र ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा। सिपाही प्रशिक्षण केंद्र की चहारदीवारी निर्माण के लिए 3 करोड़ 98 लाख 1 हजार 627 रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस कार्य का निष्पादन संवेदिका रंजीता कुमारी करेंगी। वहीं, बीएमपी-11 भवन के चारदीवारी निर्माण हेतु 5 करोड़ 67 लाख 98 हजार 313 रुपए की निविदा राशि निर्धारित की गई है, जिसका कार्य संवेदक मणिकांत कुमार को आवंटित हुआ है। संवेदकों के चयन के बाद दोनों परियोजनाएं जल्द धरातल पर उतरेंगी। इसी के साथ, सिमुलतला क्षेत्र के लीलावरण मुख्य मार्ग के अंतर्गत यशोदा धाम से केन्दूहार गांव के रास्ते बघवा टोला तथा पत्थरचपटी गांव से बुढ़ीवारी काली मंदिर तक सड़क निर्माण कार्य का ठेका भी संवेदक को मिल चुका है। इसके अलावा, बहुप्रतीक्षित टेलवा बाजार मुख्य मार्ग से पांडेयडीह गांव होते हुए चरैया गांव तक जाने वाले मार्ग पर स्थित उमतहवा जोर और गोदैया से दमगीतर गांव के बीच कनकनिया जोर में पुल निर्माण का कार्य भी जल्द शुरू होगा। इन दोनों पुलों की लागत राशि लगभग 10 करोड़ 38 लाख रुपए है। दोनों पुलों की लंबाई 51.370 मीटर होगी।इन विकास कार्यों के पूरा होने से सिमुलतला क्षेत्र में न केवल भौतिक सुविधाओं का विस्तार होगा, बल्कि आर्थिक और सुरक्षा के क्षेत्र में भी मजबूती आएगी। सिपाही प्रशिक्षण केंद्र और बीएमपी-11 परिसर में हजारों की संख्या में जवानों का प्रशिक्षण और आवास होगा, जिससे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी और स्थानीय व्यवसाय को भी नई दिशा मिलेगी।हालांकि, लीलावरण मुख्य मार्ग के यशोदा धाम से केन्दूहार गांव के रास्ते बघवा टोला मार्ग पर कार्य प्रारंभ नहीं होने से ग्रामीणों में निराशा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें कई बार आश्वासन मिला, परंतु धरातल पर कार्य नहीं हुआ। अब जब संवेदक नियुक्त हो चुके हैं, तो वे कार्य शीघ्र शुरू होने की उम्मीद कर रहे हैं। विधायक दामोदर रावत ने बताया कि "लीलावरण मुख्य मार्ग के यशोदा धाम से केन्दूहार गांव के रास्ते बघवा टोला और पत्थरचपटी गांव से बुढ़ीवारी काली मंदिर तक सड़क निर्माण का कार्य नवादा की कुमार कंस्ट्रक्शन कंपनी को आवंटित हुआ है। बहुत जल्द यह कार्य धरातल पर दिखाई देगा।"

जिले में 50 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्यः सईद सिद्दिकी

» लोक जागरण मंच का सदस्यता अभियान शुरू

बीएनएम @बगहा

लोक जागरण मंच की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें संगठन ने पूरे ज़ोर-शोर से सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया। बैठक में सर्वसम्मति से प्रदीप कुमार शर्मा को सदस्यता अभियान का प्रभारी तथा इक़बाल हुसैन को कोषाध्यक्ष और आनंद सिंह को सचिव नियुक्त किया गया। संगठन ने अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए निम्न साथियों को आमंत्रित सदस्य के रूप में संतोष राम, चंद्रेश्वर महतो, सुन्दरपती देवी, नंदकिशोर महतो, रोहित महतो, सिकंदर आज़म, इश्राफ़िल हुसैन, मोहम्मद इदु, मोहम्मद शब्बीर, झुन्ना तिवारी, खनिया केशरी और पिंटू गुप्ता शामिल हैं।लोक जागरण मंच के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्यामनारायण पांडेय तथा महामंत्री सईद सिद्दीकी ने बताया कि संगठन ने पूरे पश्चिम चंपारण ज़िले में 50,000 सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया है। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि बहुत जल्द मंच का संगठनात्मक विस्तार पंचायत स्तर से लेकर प्रखंड और ज़िला स्तर तक किया जाएगा, जिसकी तैयारियाँ शुरू हो चुकी हैं।

समाजवाद के गौरव थे दिवंगत त्रिपुरारी बाबू : श्रेयसी

» स्व. सिंह का आदर्श सदैव जीवित रहेगा : डीएम

स्व. त्रिपुरारी प्रसाद सिंह की 95वीं जयंती पर जमुई ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया

बीएनएम @जमुई

माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित करते डीएम

सोमवार को बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रखर समाजवादी नेता स्वर्गीय त्रिपुरारी प्रसाद सिंह की 95वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई । कचहरी रोड स्थित मूर्ति स्थल तथा किऊल नदी तट पर अवस्थित समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। गौरतलब है कि उनकी जयंती इस वर्ष राजकीय समारोह के रूप में मनाई गई, जो उनके जननायक स्वरूप की पहचान है। विधायक श्रेयसी सिंह ने समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर दिवंगत नेता को नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि "त्रिपुरारी बाबू समाजवाद के गौरव थे। मानवता और समाज सेवा की भावना उनमें कूट-कूट कर भरी थी। उन्होंने जाति, धर्म और संप्रदाय से ऊपर उठकर गरीबों, किसानों, मजदूरों और शोषितों की आवाज को सदैव बुलंद किया।" श्रेयसी ने कहा कि स्व. सिंह का पूरा जीवन जनकल्याण को समर्पित था और उनके आदर्शों को आत्मसात करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। डीएम श्री नवीन ने भी स्व. सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और समाधि स्थल पर पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि "त्रिपुरारी बाबू का विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके जीवनकाल में था। वे सादगी, ईमानदारी और संघर्ष के प्रतीक थे। अन्याय और जुल्म के खिलाफ उनकी आवाज़ सदैव गूंजती रही — सड़क से लेकर सदन तक।" डीएम ने कहा कि उनका आदर्श आज भी जीवित है और प्रशासनिक कार्यप्रणाली के लिए प्रेरक है। समारोह में एडीएम रविकांत सिन्हा, एसडीएम सौरभ कुमार, डीपीआरओ वीरेंद्र कुमार, नजारत उपसमाहर्ता भानु प्रकाश, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी डॉ. प्रियंका गुप्ता, जिला विधिज्ञ संघ अध्यक्ष सीताराम सिंह, पूर्व लोक अभियोजक शिशिर कुमार दुबे, चंद्रदेव सिंह, सुजीत कुमार समेत बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी और गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने मूर्ति एवं समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। उधर, दिवंगत नेता की धर्मपत्नी एवं पूर्व विधान पार्षद श्रीमती इंदु सिंह अस्वस्थता के कारण समारोह में सम्मिलित नहीं हो सकीं। उन्होंने अपने आवास पर ही दिवंगत पति की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। पुत्रवधू पूनम सिंह, पुत्र शांतनु सिंह और संदीप सिंह सहित परिवार के अन्य सदस्य जयंती समारोह में उपस्थित रहे और मूर्ति एवं समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अशेष भावांजलि दी। इस अवसर पर श्रद्धांजलि देने वालों की भारी भीड़ उमड़ी रही। कचहरी रोड से लेकर समाधि स्थल तक वातावरण 'त्रिपुरारी बाबू अमर रहें' के नारों से गूंजता रहा।

इनसे छीनो, उनको दो!

हाल के वर्षों में बिजली की किल्लत घटी है और अच्छी सड़कें बनी हैं। मगर बिजली सस्ती नहीं हुई है और टोल-टैक्स से सड़क परिवहन महंगा बना हुआ है। ये सभी लागतें आखिरकार उत्पाद की कीमत में ही शामिल होती हैं। महाराष्ट्र सरकार ने व्यापारिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए बिजली पर अतिरिक्त कर को दोगुना कर दिया है। इस तरह ऐसे उपभोक्ताओं को अब प्रति यूनिट बिजली के उपभोग पर 9 रुपये 90 पैसे की अधिक रकम चुकानी होगी। जाहिर है, ये बड़ी वृद्धि है। इस बढ़ोतरी के जरिए राज्य सरकार सालाना 834 करोड़ रुपये जुटाएगी। देवेंद्र फड़णवीस सरकार ने कहा है कि इस रकम का इस्तेमाल किसानों को सोलर पंप देने के लिए किया जाएगा। राज्य सरकार के मुताबिक प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत किसानों को सोलर पंप दिए जाएंगे, मगर इसके लिए राजकोष में पैसा नहीं है। पैसे की कमी का कारण कल्याण योजनाओं पर बढ़े बजट को बताया गया है। साधारण भाषा में कहें, तो विधानसभा चुनाव से पहले राज्य सरकार ने रेवड़ियों को जो झड़ी लगाई थी, उस कारण आगे और कल्याण करने की उसकी क्षमता नहीं बची। तो अब उद्योगपतियों और कारोबारियों पर बोझ डालने का फैसला किया गया है। 'इनसे छीनो, उनको दो का यह मॉडल कितना हानिकारक है, इसका अंदाजा इसके नतीजों के गंभीर विश्लेषण से ही लगाया जा सकता है। यह शिकायत पहले से ही है कि भारतीय उत्पाद विश्व बाजार की प्रतिस्पर्धा में इसलिए पिछड़ जाते हैं, क्योंकि लागत ज्यादा होने के कारण वे महंगे पड़ते हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर लागत का महंगा होना इसका एक बड़ा पहलू है। भारत में हाल के वर्षों में बिजली की किल्लत घटी है और अच्छी सड़कें बनी हैं। मगर बिजली सस्ती नहीं हुई है और टोल-टैक्स से सड़क परिवहन महंगा बना हुआ है। ये सभी लागतें आखिरकार उत्पाद की कीमत में ही शामिल होती हैं। चूंकि व्यापारियों को भी बिजली आदि जैसी सुविधाएं महंगी मिलती हैं, तो वे जो चीजों की जो बिक्री वे करते हैं, उस पर अपनी लागत जोड़ते हैं। इस कारण उद्योग-धंधों का वैसा प्रसार नहीं होता, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ें। नतीजतन, कृषि पर आबादी की निर्भरता जस की तस बनी हुई है। यह एक दुश्चक्र है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था निकलती नजर नहीं आती। इसकी वजहों में झांकें, तो सरकारों की वोट-जुटाऊ प्राथमिकता भी, उसमें खास भूमिका निभाती नजर आएगी। महाराष्ट्र इसकी नायाब मिसाल है।

भारत को अपने समुद्री सीमा को अधिक मजबूत करना होगा

संजय गोस्वामी

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के निर्णायक सैन्य जवाब के रूप में 07 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। कश्मीर में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले में एक नेपाली नागरिक सहित 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई। ऑपरेशन सिंदूर के तहत, भारतीय सशस्त्र बलों ने पीओके और पाकिस्तानी क्षेत्र में 9 आतंकी स्थलों को निशाना बनाया,मई 2025 में पाकिस्तान के साथ भारत का हमला ऑपरेशन सिंदूर से वायु क्षेत्र में भारत की शक्ति में वृद्धि हुआ, इसलिए भारत ने पुराने मिग 21 विमान को अलविदा कर दिया बाद के घटनाक्रमों का ध्यान समुद्री क्षेत्र की ओर मोड़ दिया है, जैसा कि भारत और पाकिस्तान दोनों की प्रमुख नौसैनिक गतिविधियों, क्षमता और आधिकारिक बयानों में देखा जा सकता है, जहाँ उनकी नौसेनाएँ अपनी स्थिति में सुधार कर रही हैं और युद्ध से निपटने के लिए तैयारी का संकेत दे रही हैं। 2 अक्टूबर को, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध का हवाला देते हुए, पाकिस्तान को एक तीखी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी, जो भारत में किसी तरफ के आतंकवादी घटना में पाकिस्तान द्वारा किसी भी दुस्साहस की स्थिति में उसके इतिहास और भूगोल को बदल सकती है लेकिन पाकिस्तान समुद्री क्षेत्र में सैन्य बुनियादी ढाँचे का विस्तार कर रहा है, यह एक ऐसा विकास है जो 2023 से जारी है। ऐतिहासिक रूप से, पाकिस्तान को इस क्षेत्र में एक सैन्य बढ़त हासिल रही है। यह अगस्त में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी द्वारा दिए गए उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भविष्य में किसी भी संघर्ष में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने वाली नौ सेना पहली सेना होगी।नौसेना से जुड़ी हाल की खबरें बताती हैं कि भारत ने अपना पहला स्वदेशी 3डी निगरानी रडार लांजा-एन प्राप्त किया है, जो हवाई और सतह के लक्ष्यों का पता लगा सकता है। साथ ही, नौसेना को दो आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को भी शामिल किया गया है, जिससे उसकी शक्ति में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, भारतीय नौसेना ने सफलतापूर्वक वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का परीक्षण किया, जो हवाई खतरों से निपटने में सक्षम है। ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना की स्थिति को देखते हुए यह डिज़ाइन किया गया है स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किए गए पहले युद्ध पोत, आईएनएस निस्तार का शामिल होना और दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भारत का पहला संयुक्त गश्ती दल की क्षमता व युद्ध पोत का निर्माण और हिंद-प्रशांत महासागर में में उसकी तैनाती दोनों को दर्शाता है, कि भारत की महासागर में पकड़ मजबूत है लेकिन पाकिस्तान भी जहाँ कराची और ग्वादर में चीन की उपस्थिति चिंता जनक है। पाकिस्तान ने अपने समुद्री सिग्नलिंग को हाल ही भी मजबूत किया है। मई में, उसने युद्ध में समुद्री आक्रमण से बचने के लिए कराची से ग्वादर तक समुद्र में युद्ध पोत की अपनी तैनाती बढ़ा दीं है । तब से, चीन द्वारा निर्मित हैंगोर श्रेणी की पनडुब्बी, पीएनएस मैंग्रो का प्रक्षेपण किया है और घरेलू स्तर पर विकसित पी282 जहाज से प्रक्षेपित करने वाला बैलिस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन किया है। इसके बाद भारत ने नोटिस टू एयरमैन को जारी किया जाता है जब हवाई यातायात की आवाजाही एक निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित होती है। , कई , मिसाइल का भी परीक्षण किया और लाइव-री अभ्यास भी हुए हैं – कभी-कभी केवल 60 समुद्री मील की दूरी पर – जिससे अरब सागर में अलर्ट और परिचालन का एक चक्र बना रहा है । नौसेना सिग्नलिंग का महत्व ऑपरेशन सिंदूर के बाद नौसेना की गतिविधियों में वृद्धि एक बुनियादी सवाल उठाती है कि क्या ये समानांतर अभ्यास केवल नियमित गतिविधियाँ हैं या नौसेना क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान निरोध समीकरण में बदलाव का संकेत देने वाला एक सुनियोजित बल प्रदर्शन है। इसका उत्तर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मौजूदा संकट, हालाँकि हवाई क्षेत्र में हल हो गया है, लेकिन समुद्र में रणनीतिक अनिश्चितता का एक अवशेष छोड़ गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत और पाकिस्तान अपनी नौसैनिक स्थिति को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं, न केवल प्रतिरोध के लिए, बल्कि इस संभावना के लिए भी तैयारी कर रहे हैं कि टकराव का अगला चरण समुद्री क्षेत्र में सामने आ सकता है। इस बदलाव को क्षमताओं के व्यापक संतुलन के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए। वायु क्षेत्र की तरह, समुद्री संतुलन को अब 1999 में कारगिल युद्ध में जीत मिली लेकिन समुद्र में उसकी शक्ति की कम थी जब 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में जिस तरह अमेरिका के युद्ध पोत जंग में भारत के लिए खतरा बना था जिसे रूस के युद्ध पोतों ने टाला था और भारत विजय हुआ लेकिन 26/11/08 में समुद्री मार्ग से पाकिस्तान के आतंकवादी का घुसना और मुंबई में कत्लेआम मचाना भी समुद्री मार्ग एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता है । भारत की नौ सेना की ताकत कम नहीं है, लेकिन उसकी नौसैनिक क्षमता अब पुरानी होती जा रही है, जिससे आधुनिकीकरण की चिंताएँ बढ़ रही हैं। पाकिस्तान लगातार अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है, चीन द्वारा डिज़ाइन की गई पनडुब्बियों और तुर्की से बाबर श्रेणी के कोरवेट को शामिल कर रहा है। उन्नत रडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरणों और बहुमुखी वायु-रोधी और सतह-रोधी हथियारों के साथ, ये संपत्तियाँ महत्वपूर्ण हैं। इस बदलाव को स्वीकार करते हुए, भारत के नौसेना प्रमुख ने पाकिस्तान की नौसेना की शक्ति में आश्चर्यजनक वृद्धि की ओर भी इशारा किया था। हालाँकि भारत की बढ़त अभी भी बनी रह सकती है, लेकिन यह अंतर कम होता जा रहा है, जिससे हिंद महासागर में निर्विवाद प्रभुत्व की धारणाएँ और भी जटिल हो रही हैं। कुल मिलाकर, ये घटनाएँ तीन कारणों से महत्वपूर्ण हैंः तनाव नियंत्रण, बाहरी हस्तक्षेप और दोनों पक्षों के बदलते सिद्धांत। पहला, समुद्र में तनाव नियंत्रण कहीं अधिक कठिन है। हवाई झड़पों के विपरीत, जिन्हें संतुलित करके पीछे हटाया जा सकता है, किसी भी नौसैनिक मुठभेड़ (जहाज पर जहाज या जमीन पर जहाज) में युद्ध की दहलीज पार करने का जोखिम अधिक होगा। 1971 की यादें, जब भारतीय नौसैनिक अभियानों ने संघर्ष को निर्णायक रूप से बदल दिया था, अतिरिक्त संवेदनशीलता जोड़ती हैं - यहाँ तक कि सीमित समुद्री कार्रवाई भी पाकिस्तान की रणनीतिक कल्पना में अस्तित्व के जोखिम से जुड़ी है। तब से, पाकिस्तान की मुख्य समुद्री चिंता भारतीय नौसैनिक अभियानों के प्रति अपनी कमज़ोरी की पुनरावृत्ति को रोकना रही है, जो पहुँच-रोधी/क्षेत्र-निषेध क्षमताओं की खोज और निषेध द्वारा निवारण की ओर उन्मुख सिद्धांत की क्रमिक अभिव्यक्ति में दिखाई देती है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के ढाँचे के तहत ग्वादर के विकास को भी इसी निवारण तर्क के अंतर्गत समझा जाना चाहिए। पाकिस्तान के निर्णयकर्ता लंबे समय से कहते रहे हैं कि ग्वादर की उत्पत्ति बीजिंग की बजाय इस्लामाबाद की अपनी रणनीतिक गणनाओं में निहित है। इस प्रकार, ग्वादर और कराची केवल आर्थिक केंद्र ही नहीं हैं - वे भारत के लिए एक मनोवैज्ञानिक दबाव भी हैं। इस पृष्ठभूमि में, यदि भविष्य में भारतीय नौसेना को प्रत्यक्ष अभियानों में शामिल किया जाता है, तो युद्ध के अलावा अन्य किसी भी दबाव की गुंजाइश काफी कम हो जाएगी, और भारत को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी की उपस्थिति और उसके दांव पर भी विचार करना होगा। ऐतिहासिक रूप से,पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की मुख्य भूमिका नौसेना के युद्धपोतों को हवाई सुरक्षा कवरेज प्रदान करना रही है। तटीय रक्षा सिद्धांत का एक हिस्सा नौसैनिक विमानों द्वारा जहाजों की सुरक्षा करना था, यही कारण है कि 1960 और 70 के दशक के कई पीपुल्स लिबरेशन आर्मी जहाजों में लंबी दूरी की विमान-रोधी मिसाइलों या तोपखाने का अभाव था। दूसरा, दोनों पक्षों द्वारा समानांतर अभ्यास और मिसाइल परीक्षण अलग-अलग अभ्यासों से कहीं अधिक को प्रतिबिंबित कर सकते हैं, जो इस ओर इशारा करते हैं और जानबूझकर किए गए प्रयास तैयारी प्रदर्शित करने और विरोधी के योजना चक्र को जटिल बनाने के लिए न हो । पाकिस्तान ने इस बात पर जोर देने की कोशिश की है कि उसकी नौसेना अब 1971 जैसी कमज़ोर ताकत नहीं रही और वह समुद्री क्षेत्र में भारतीय परिचालन योजना को जटिल बनाने और दबाव को रोकने के लिए तैयारी का संकेत दे रही है। भारत क्षमता के प्रत्यक्ष प्रदर्शन और जोखिम स्वीकार करने के माध्यम से पहल बनाए रखने पर आमादा दिखाई देता है। यह समानता बताती है कि दोनों पक्ष तैयारी का संकेत दे सकते हैं और समुद्र में भविष्य के संघर्ष-टेम्पलेट को आकार देने में सक्रिय रूप से निवेश भी कर सकते हैं। तीसरा, बाहरी आयाम तीक्ष्ण हो रहा है। कराची और ग्वादर बंदरगाहों में चीन की भागीदारी भारत के कथित प्रभुत्व को कम कर रही है और संकट के समय पाकिस्तान को प्लान के समर्थन का खतरा बढ़ा रही है। पाकिस्तान के मदद के लिए तुर्की की उभरती हुई भूमिका, भले ही वह सीमित हो, लेकिन भारत के लिए समुद्र में खतरनाक कदम तुर्की ने अपने युद्ध पोत उतार कर किया था कुछ चैनलों ने यह बताया गया है कि युद्ध पोत की भारतीय तैनाती ने पाकिस्तान को कराची से अपनी सेना हटाने के लिए मजबूर किया है, जिससे प्रभुत्व का प्रदर्शन हुआ है और मनोवैज्ञानिक दबाब भी बढ़ी है।

साम्प्रदायिक हिंसा का नया बहाना

राम पुनियानी

साम्प्रदायिक हिंसा भारतीय राजनीति का अभिशाप है। यह सौ वर्ष से अधिक पुरानी है। इसके अधिकांश अध्येताओं का मत है कि यह सामान्यतः योजना बनाकर की जाती है। इस हिंसा के बाद साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के हालात बन जाते हैं। अध्येताओं का यह मत भी है कि दंगों के नतीजे में होने वाले धार्मिक ध्रुवीकरण से धर्म की राजनीति करने वाले राजनैतिक दलों का लाभ होता है और कांग्रेस को नुकसान''। उनका मानना है कि इन दंगों के नतीजे में बहुधर्मी प्रकृति वाले कांग्रेस जैसे दलों को चुनावों में नुकसान होता है, साम्प्रदायिक दलों को लाभ होता है और उनकी शक्ति बढ़ती है''। इसी उद्देश्य से चुनावी लाभ के लिए हिंसा करने के नए-नए बहाने गढ़े जाते हैं। बहानों की इस लंबी फेहरिस्त में आए दिन नए-नए मुद्दे जोड़ दिए जाते हैं। मस्जिद के सामने तेज संगीत बजाना, मंदिरों में गौमांस फेंकना और अफवाहें फैलाना नफरत बढ़ाने की इस प्रवृत्ति के केन्द्र में रहते हैं। इसमें मुस्लिम राजाओं का दानवीकरण, उनके द्वारा मंदिर तोड़े जाने, तलवार की नोंक पर इस्लाम फैलाने, उनके अधिक बच्चे पैदा करने के कारण हिंदुओं के देश में अल्पमत में हो जाने जैसे मुद्दे नफरत फैलाने की इस प्रक्रिया में जोड़ दिए गए हैं। पिछले कुछ दशकों में हमने इसमें गाय, गौमांस सेवन, लव जिहाद और कई अन्य जिहाद जिनमें कोरोना जिहाद, भूमि जिहाद और हाल ही में जोड़ा गया पेपर लीक जिहाद मुख्य हैं, जुड़ते देखे हैं। इस सबके साथ इन दिनों हम 'आई लव मोहम्मद' के सीधे-सादे नारे को लेकर हिंसा भड़काने के नजारे देख रहे हैं। इसकी शुरूआत कानपुर से हुई जब मिलादुन्नबी के दिन पैगम्बर मोहम्मद के जन्म दिवस के अवसर पर निकाले गए जुलूस में शामिल 'आई लव मोहम्मद' बैनर पर कुछ लोगों द्वारा इस आधार पर आपत्ति की गई कि इस धार्मिक उत्सव में यह नई परंपरा जोड़ी जा रही है। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों में से कुछ ने इस तर्क को सही मानते हुए ऐसे बैनर पकड़े लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। एक शांतिपूर्ण जुलूस में लोगों द्वारा अपने पैगम्बर के प्रति सम्मान दर्शाना पूरी तरह वाजिब था और किसी भी कायदे-कानून का उल्लंघन नहीं था। इस मुद्दे पर उत्तरप्रदेश के कई जिलों में हिंसा फैल गई। कानपुर की घटना पहली थी और यह उत्तरप्रदेश के बरेली, बाराबंकी और मऊ जिलों में और उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर जिले के काशीपुर और कई अन्य स्थानों पर दुहराई गई। इसकी प्रतिक्रिया में पोस्टर फाड़े गए, उसके बाद हिंसा हुई और माहौल विषाक्त हो गया। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राईट्स (एपीसीआर) द्वार एकत्रित की गई जानकारी के अनुसार अब तक आई लव मोहम्मद वाले मुद्दे पर 1324 लोगों के विरूद्ध 21 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 38 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बरेली में कुछ दिनों तक इंटरनेट बंद रहा और एक स्थानीय मुस्लिम नेता मौलाना तौकीर रजा खान को उनके घर में ही एक सप्ताह तक नजरबंद रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना जांच-पड़ताल के मुसलमानों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कानपुर की घटना पर एक ज्ञापन सौंपे जाने का आव्हान किया। पर वे स्वयं इसके लिए नहीं पहुंचे। नतीजे में अफरातफरी हुई और बड़े पैमाने पर मुसलमानों को गिरफ्तार किया गया। इस घटनाक्रम से मुसलमानों के प्रति नफरत भी सामने आ गई है। बड़े नेताओं ने इशारों-इशारों में बात की और छुटभैये नफरत और हिंसा फैलाने में जुट गए। मोदी लगातार, बार-बार ऐसा करते रहे हैं, खासतौर पर चुनाव के आसपास। इस बार उनका अभियान घुसपैठियों के मुद्दे पर केन्द्रित है। यह सब मुसलमानों, खासकर बिहार और असम के मुसलमानों के लिए बहुत तकलीफदेह बन गया है। एसआईआर के कदम को उचित ठहराने का एक आधार यह भी था और इसे बिहार के बाद, जहां 47 लाख मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर दिया गया है, सारे देश में किए जाने की योजना है। इस बार उत्तरप्रदेश में सबसे अधिक हिंसक घटनाएं हुईं और वहां के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे वक्तव्य दिए जो एक राज्य के मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देते। उन्होंने कहा कि वे 'गजवा-ए-हिंद' का नारा बुलंद करने वालों के नर्क के टिकिट कटवा देंगे। यह 'गजवा-ए-हिंद' की बात कहां से आ गई? भारतीय मुसलमानों का एक वर्ग 'आई लव मोहम्मद' का नारा लगा रहे हैं, ना कि गजवा... गजवा का नारा, जो तालिबानी किस्म के लोगों द्वारा लगाया जाता है। मगर हिंदू दक्षिणपंथी पूरे मुस्लिम समुदाय को इसके लिए कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। वैसे भी गजवा ए हिंद का कुरान में कोई जिक्र नहीं है। एक हदीस, जिसके असली होने में संदेह है, में इस शब्द का जिक्र है मगर उसमें भी हिंद से आशय बसरा से है भारत से नहीं। पाकिस्तान में कई कट्टरपंथी यह दावा करते हैं कि भारत के खिलाफ हर युद्ध गजवा है। योगी ने यह भी कहा कि 'आई लव मोहम्मद' वाले पोस्टर अराजकता के हालात बनाने के लिए लगाए जा रहे हैं। उन्होंने हिंदुओं से हिंदू विरोधी और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों से सावधान रहने को कहा...(इंडियन एक्सप्रेस, मुंबई संस्करण, 29 सितंबर पृष्ठ 6)। यह भारत के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति नफरत पैदा करने का निकृष्टतम उदाहरण है। इस नारे से अराजकता कैसे उत्पन्न हो सकती है? यह नारा किस तरह से राष्ट्रविरोधी है, यह समझ के परे है। उनके वक्तव्य लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत हैं, जिनके अंतर्गत हमें अपनी भावनाएं शांतिपूर्ण ढंग से व्यक्त करने का अधिकार है। 'आई लव मोहम्मद' का पूरा मामला मुसलमानों को आतंकित करने और उन्हें हाशिए पर पटकने के लिए उपयोग किया जा रहा है। अपने पैगम्बर के प्रति स्नेह की इस प्रकार की अभिव्यक्ति पूरी तरह अभिव्यक्ति की आजादी के लोकतांत्रिक अधिकार की सीमाओं के अंदर है। जैसे पाकिस्तान में कुछ तालिबानी तत्व दावा करते हैं कि भारत के साथ हर भिड़ंत गजवा... है वहीं हमारे प्रधानमंत्री भी मसलों को उसी दिशा में ले जा रहे हैं। क्रिकेट में पाकिस्तान पर विजय के बाद उन्होंने कहा कि यह आपरेशन सिंदूर का ही हिस्सा है। ऐसे हालातों में मुस्लिम समुदाय को किस तरह की प्रतिक्रिया करनी चाहिए? इस तरह के शांतिपूर्ण जुलूस निकालना एकदम उचित है। इसके विपरीत हैं रामनवमी के जुलूस जिनमें डीजे पर तेज संगीत बजता है और मस्जिदों पर भगवा झंडा लहरा दिया जाता है! हमारे कई हिंदू उत्सवों का सशस्त्रीकरण किया जा रहा है! इरफान इंजीनियर और नेहा दाभाड़े ने अपनी पुस्तक 'वेपनाईजेशन ऑफ हिंदू फेस्टिविल्स' में अपनी मैदानी जांच-पड़ताल के माध्यम से बताया है कि विशेषकर रामनवमी के जुलूस के जरिए मस्जिदों और मुस्लिम बहुल इलाकों के आसपास अफरातफरी का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि मुस्लिम उत्सवों का दानवीकरण किया जा रहा है। मिलादुन्नबी कां 'आई लव मोहम्मद' के माध्यम से दानवीकरण किया जाना इसका एक दुःखद उदाहरण है।

महर्षि वाल्मीकिः जिनकी वाणी में बसती है सम्पूर्ण सृष्टि

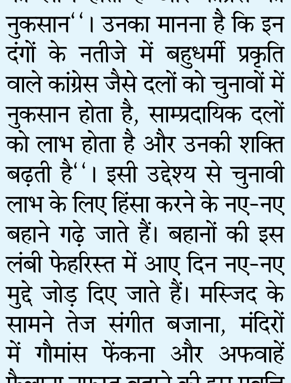

योगेश कुमार गोयल

(महर्षि वाल्मीकि जयंती (7 अक्तूबर) पर विशेष)

अश्विन मास की पूर्णिमा के दिन 'रामायण' के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के अनुपम संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिवर्ष महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई जाती है और इस वर्ष वाल्मीकि जयंती 7 अक्तूबर को मनाई जा रही है। मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि के सम्मान में उनकी जयंती रामायण काल से ही मनाई जा रही है। इस अवसर पर देशभर में कई प्रकार के सामाजिक तथा धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। सनातन धर्म के प्रमुख ऋषियों में से एक महर्षि वाल्मीकि द्वारा संस्कृत भाषा में लिखी गई रामायण को सबसे प्राचीन माना जाता है और संस्कृत के प्रथम महाकाव्य 'रामायण' की रचना करने के कारण ही उन्हें 'आदिकवि' के नाम से भी जाना जाता है। वाल्मीकि द्वारा लिखी गई मोक्षदायिनी रामायण आज भी समूचे विश्व में वेद तुल्य विख्यात है, जो 21 भाषाओं में उपलब्ध है और सनातन धर्म मानने वालों के लिए पूजनीय है। रामायण ने देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बांधने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। राष्ट्र की अमूल्य निधि रामायण का एक-एक अक्षर अमरता का सूचक और महापाप का नाशक माना गया है। वाल्मीकि का रामायण महाकाव्य ज्ञान-विज्ञान, भाषा ज्ञान, ललित कला, ज्योतिष शास्त्र, आयुर्वेद, इतिहास और राजनीति का केन्द्रबिन्दु माना जाता है। यह महाकाव्य श्रीराम के जीवन के माध्यम से जीवन के सत्य और कर्तव्य से परिचित कराता है। रामायण में जिस प्रकार महर्षि वाल्मीकि ने कई स्थानों पर सूर्य, चंद्रमा तथा नक्षत्रों की सटीक गणना की है, उससे स्पष्ट है कि वे ऐसे परम ज्ञानी थे, जिन्हें ज्योतिष विद्या तथा खगोल शास्त्र का भी बहुत गहन ज्ञान था। रामायण को वैदिक जगत का सर्वप्रथम काव्य माना जाता है, जिसमें कुल चौबीस हजार श्लोक है। माना जाता है कि महर्षि वाल्मीकि ने ही इस दुनिया में पहले श्लोक की रचना की थी, जो संस्कृत भाषा का जन्मदाता है। विभिन्न पौराणिक कथाओं में वर्णित है कि महर्षि वाल्मीकि बनने से पहले उनका नाम रत्नाकर था, जो अपने परिवार का पेट पालने के लिए लोगों को लूटा करते थे। निर्जन वन में एक बार उनकी भेंट नारद मुनि से हुई तो नारद को बंदी बनाकर रत्नाकर ने उन्हें भी लूटने का प्रयास किया। तब नारद जी ने पूछा कि तुम ऐसा निंदनीय कार्य आखिर करते क्यों हो? रत्नाकर ने उत्तर दिया, अपने परिवार का पेट भरने के लिए। तब नारद मुनि जी ने उनसे पूछा कि जिस परिवार के लिए तुम इतने पाप कर्म करते हो, क्या वह तुम्हारे इस पाप कार्य में भागीदार बनने के लिए तैयार होंगे? इसका उत्तर जानने के लिए रत्नाकर नारद मुनि को पेड़ से बांधकर घर पहुंचे और एक-एक कर परिवार के सभी सदस्यों से पूछा कि मैं डाकू बनकर लोगों को लूटने का जो पाप करता हूं, क्या तुम उस पाप में मेरे साथ हो? परिवार के सभी सदस्यों ने कहा

कि आप इस परिवार के पालक हैं, इसलिए परिवार का पेट भरना तो आपका कर्तव्य है, इस पाप में हमारा कोई हिस्सा नही है। सभी का एक ही उत्तर सुनकर रत्नाकर बहुत उदास हुए और नारद मुनि के पास पहुंचकर उनके पैरों में गिर पड़े। तब नारद मुनि ने रत्नाकर को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का ज्ञान दिया। रत्नाकर ने उनसे अपने पापों का प्रायश्चित करने का उपाय पूछा तो नारद मुनि ने उन्हें 'राम' नाम जपने की सलाह दी लेकिन रत्नाकर ने कहा कि मुनिवर! मैंने जीवन में इतने पाप किए हैं कि मेरे मुख से राम नाम का जाप नहीं हो पा रहा है। नारद मुनि ने उन्हें 'मरा-मरा' का जाप करने को कहा और इस प्रकार 'मरा-मरा' का जाप करते-करते रत्नाकर के मुख से अपने आप 'राम' नाम का जाप होने लगा। राम नाम में वह इस कदर लीन हो गए कि एक तपस्वी के रूप में ध्यानमग्न होकर वर्षों तक घोर तपस्या करने के कारण उनके शरीर पर चीटियों की बांबी लग गई। ऐसी कठोर तपस्या के बाद उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे रत्नाकर से महर्षि वाल्मीकि बन गए। पौराणिक आख्यानों में यह उल्लेख भी मिलता है कि जब भगवान श्रीराम ने माता सीता का त्याग कर दिया था, तब माता सीता ने महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में ही वनदेवी के नाम से निवास किया था और वहीं लव-कुश को जन्म दिया था, जिन्हें महर्षि वाल्मिकी द्वारा ज्ञान दिया गया। पहली बार सम्पूर्ण रामकथा लव-कुश ने ही भगवान श्रीराम को सुनाई थी। यही कारण है कि वाल्मिकी कृत रामायण में लव-कुश के जन्म के बाद का वृतांत भी मिलता है। बहरहाल, महर्षि वाल्मीकि के जीवन से यह सीख मिलती है कि जीवन की नई शुरूआत करने के लिए किसी खास समय या अवसर की आवश्यकता नहीं होती बल्कि इसके लिए आवश्यकता होती है केवल सत्य और धर्म को अपनाने की। उनका जीवन बुरे कर्मों को त्यागकर अच्छे कर्मों और भक्ति की राह पर अग्रसर होने की राह दिखलाता है। महर्षि वाल्मीकि का जीवन समस्त मानव जाति को यही शिक्षा देता है कि मनुष्य के जीवन में कितनी भी कठिनाइयां क्यों न हों, यदि वह चाहे तो अपनी हिम्मत, हौंसले और मानसिक शक्ति के बल पर तमाम बाधाओं को पार कर सकता है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ लोग आपको कंफ्यूज करने की कोशिश करेंगे। दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें, इससे आपके कार्य बड़ी ही आसानी से पूरे होंगे। ऑफिस में अपने काम पर ध्यान देने से आप सम्मान के पात्र बने रहेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज ज्यादा लाभ के योग बन रहे हैं। किसी कार्य को पूरा करने में पुरानी कम्पनी का अनुभव काम आएगा। अचानक धन लाभ होने के योग बने हुए हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने काम पर पूरा फोकस बनाये रखें, जल्द ही भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय बच्चों के लिए निकालेंगे, बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर करेंगे। लवमेट एक-दूसरे पर विश्वास बनाए रखें, रिश्ते में मजबूती बनी रहेगी। छात्रों को थोड़ी और मेहनत की जरूरत है। सफलता के योग बने हुए हैं। संतान की ओर से कोई खुशखबरी मिल सकती है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपनी बातों से किसी को प्रभावित कर देंगे। समाज में किये गए सराहनीय काम को देखकर लोग आपसे कुछ अच्छा सीखेंगे, जिससे आपको गर्व होगा। शिक्षण संस्थान से जुड़े लोगों को ज्यादा लाभ होगा। स्टूडेंट अपने आप पर भरोसा बनाए रखें, जल्द ही सफलता मिलेगी।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आपका कोई काम जो काफी दिनों से रुका था, आज पूरा हो जाएगा। साथ ही आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। विद्यार्थियों द्वारा की गई मेहनत का शुभ परिणाम मिलेगा। जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लें, इससे बना बनाया काम बिगड़ सकता है। मित्रों की सलाह भी ले सकते हैं। किसी के प्रति प्रतिशोध की भावना न रखें।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। मानवहित में किये गये कार्यों के कारण आपको सम्मान मिलेगा। गैर-जरूरी खर्चों पर रोक लगाकर आप बचत पर ध्यान देंगे। व्यवसायिक गतिविधियां मन मुताबिक चलेंगी। काम करने के तरीकों में बदलाव लाएंगे। आत्मविश्वास बनाए रखें। अवसर मिलने पर उसका फायदा उठाएं। काम पर ध्यान बनाए रखें।

कन्या राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। सरकारी नौकरी करने वाले अपने काम पर ज्यादा ध्यान दें। किसी से बहस की स्थिति बन सकती है, ऐसे में मौन रहना बेहतर होगा। पब्लिक प्लेस पर छवि खराब न होने दें। लवमेट के रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को बड़ा मुनाफा होगा।

तुला राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके काम करने के तरीकों से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। बातचीत के दौरान अपनी निजी बातें शेयर न करें। जिस काम की शुरुआत करेंगे, वह समय पर पूरा होगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। मित्रों से मन की बात शेयर करने से सुकून मिलेगा। आपको नई जानकारियां भी हासिल होंगी। रिश्तेदार से शुभ संदेश मिलेगा, जिससे खुशी दोगुनी होगी। बिजनेस में खास एग्रीमेंट होगा, लेकिन कॉम्पटीशन के दौर में कार्य करने के तरीकों में बदलाव जरूरी है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी और सीनियर आपके काम से खुश रहेंगे और तारीफ करेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। निजी कामों पर बाहरी लोगों का दखल न होने दें। भावनाओं में आकर कोई फैसला न लें। ज्यादा काम के कारण थकान हो सकती है।छोटी-छोटी परेशानियां जल्द दूर होंगी। परिवार में सुखद माहौल रहेगा।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। शाम का समय माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे, जिससे अच्छा समाधान मिलेगा। किसी काम की शुरुआत करने से पहले शुभ मुहूर्त देखना बेहतर होगा।

कुम्भ राशिः आज का दिन परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। किसी अनुभवी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होगी। काम को लेकर आपके सपने काफी हद तक पूरे होंगे। स्वयं को साबित करने के लिए बेहतर दिन है। परिवार में सामंजस्य से शांति का माहौल रहेगा। प्रकृति के बीच समय बिताने से फ्रेशनेस महसूस होगी।

मीन राशिः आज का समय आपके लिए अच्छा है। पारिवारिक समस्या हल होगी और रुके काम में गति आएगी। सकारात्मक लोगों की सलाह फायदेमंद होगी। मेहनत का उचित फल जल्द मिलेगा। अफवाहों पर ध्यान न दें। ऑफिसियल यात्रा संभव है, जो शुभ होगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

धोनी की कप्तानी में नहीं खेलने का मलाल हमेशा रहेगा : सूर्यकुमार

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का कहना है कि उन्हें महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में नहीं खेलने की कमी हमेशा खेलेगी। सूर्यकुमार का कहना है कि वह हमेशा ही धोनी जैसे महान कप्तान की टीम में खेलना चाहते थे पर किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। उन्होंने हालांकि धोनी के खिलाफ जरूर खेला है पर उनके साथ नहीं खेल पाये। सूर्यकुमार को राष्ट्रीय टीम में देर से जगह मिली थी। उन्हें साल 2021 में विराट कोहली की कप्तानी में अवसर मिला था। इसके बाद वह रोहित शर्मा की कप्तानी में उतरे थे। वहीं अब वह स्वयं टी20 टीम के कप्तान हैं। साल 2010 में सूर्यकुमार ने घरेलू क्रिकेट में डेब्यू किया था पर दस साल के बाद ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अवसर मिला। टीम में जगह मिलने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार आगे बढ़ते गये हैं। सूर्यकुमार ने एक कार्यक्रम में कहा, सबसे पहले, मैं धोनी को याद करता हूं। जब वह भारतीय टीम के कप्तान थे, तब मैं हमेशा टीम में जगह पाने के प्रयास कर रहा था पर मिला नहीं। वहीं घरेलू क्रिकेट में जब भी मैं उनके खिलाफ खेला, मैंने उन्हें स्टंप के पीछे देखा। वह बहुत शांत स्वभाव के रहे हैं। उनके खिलाफ खेलते हुए मैंने उनसे एक बात सीखी है कि किसी भी प्रकार के दबाव के हालात में शांत बने रहना चाहिए। वह खेल के दौरान सभी ओर देखने के बाद अपने फैसले करते थे।। मैंने विराट कोहली की कप्तानी में अपना डेब्यू किया था। विराट बहुत ही मेहनती कप्तान रहे हैं। वह आपकी सीमाओं से आगे बढ़कर प्रदर्शन करते हैं और सर्वश्रेष्ठ चाहते हैं हालांकि सभी कप्तान सभी खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ की उम्मीद करते हैं पर वह मैदान पर और मैदान के बाहर भी ऊर्जा से भरे रहते थे। वह अन्य लोगों से थोड़े अलग थे। वहीं रोहित शर्मा की कप्तानी को लेकर सूर्यकुमार ने कहा, इसके बाद रोहित आये। उनकी कप्तानी में मैंने आईपीएल के अलावा भारतीय टीम की ओर से भी काफी मैच खेले। वह ऐसे कप्तान हैं जो अपने आस-पास सभी को सहज महसूस कराते हैं। उनसे युवाओं को प्रेरणा मिलती है। वह सभी से बात करने और सहायता के लिए हमेशा उपलब्ध रहते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी खूबी है।

वाडेकर की कप्तानी में भारत ने खेला था पहला वनडे, शुभमन हैं 28 कप्तान

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को एकदिवसीय टीम का नया कप्तान बनाया है। रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभालने जा रहे शुभमन 28 भारतीय कप्तान हैं। एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास पर नजर डाले तो भारतीय टीम ने अपना पहला मैच साल 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। तक से अब तक के 51 साल के सफर में भारतीय टीम ने 27 कप्तान देखे हैं। वहीं सबसे पहली बार भारतीय एकदिवसीय टीम की कप्तानी अजीत वाडेकर ने संभाली थी। उस मैच में भारतीय टीम को 4 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। वाडेकर अधिक समय तक कप्तान नहीं रहे। दो मैच के बाद ही श्रीनिवास वेंकटराघवन को कप्तान बनाया गया। इस प्रकार वेंकटराघवन भारत के दूसरे एकदिवसीय कप्तान थे। वेंकटराघवन ने 7 मैच में टीम इंडिया की कप्तानी संभाली। इसके बाद स्पिनर बिशन सिंह बेदी को कप्तान बनाया गया। बेदी भी 4 एकदिवसीय मैचों में ही कप्तानी कर पाये। इस प्रकार शुरुआत में ही भारत ने तीन कप्तान बदल दिये। इसके बाद कप्तानी सुनील गावस्कर ने संभाली। उनका कार्यकाल लंबा रहा। गावस्कर ने 37 मैचों में कप्तानी की। गावस्कर के बाद एक मैच के लिए गुंडप्पा विश्वनाथ को कप्तान बनाया गया। वहीं विश्वकप 1983 को देखते हुए कपिल देव कप्तान बनाया गया। कपिल देव ने लंबे समय तक कमान संभाली। वह 74 मैचों में भारतीय टीम के कप्तान रहे और इस दौरान भारतीय टीम ने विश्वकप भी जीता। अगुवाई की और इस दौरान उन्होंने 1983 का वर्ल्ड कप भी जिताया। वहीं 1990 में मोहम्मद अजहरुद्दीन आये। अजहरुद्दीन ने 100 से ज्यादा एकदिवसीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की। उन्होंने कुल 175 मैचों में टीम का नेतृत्व किया। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी 72 मैचों में कप्तान रहे पर अधिक सफल नहीं हुए। साल 1999 में सौरव गांगुली ने कप्तानी संभालते ही टीम में बदलाव करते हुए उसे आक्रामक बना दिया। इससे विदेशी जमीन पर भी भारतीय टीम का खेलने का अंदाज बदला और उसने जीत दर्ज करनी शुरु कर दी। । गांगुली के बाद द्रविड़, सहवाग, कुंबले ने कप्तानी संभाली। सबसे बड़ा बदलाव महेन्द्र सिंह धोनी के आने के बाद बाद हुआ। कैप्टन कूल के नाम से लोकप्रिय हुए धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने सभी आईसीसी खिताब जीते। धोनी ने सबसे अधिक 200 एकदिवसीय मैचों में कप्तानी की और ये उपललब्धि हासिल करने वाले वह एकमात्र कप्तानी रहे हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने साल 2011 विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीती। धोनी के बाद आये विराट कोहली औरा रोहित शर्मा ने भी भारतीय क्रिकेट के आक्रामक अंदाज को बनाये रखा। कोहली ने 95 जबकि रोहित ने 56 मैचों में टीम की कमान संभाली। अब देखना होगा कि शुभमन टीम को कितनी सफलता दिला पाते हैं।

शंघाई मास्टर्स 2025: डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर

एजेंसी, शंघाई

शंघाई मास्टर्स 2025 में मौजूदा चैंपियन जैनिक सिनर को रविवार को नीदरलैंड्स के टैलन ग्रीकस्पूर के खिलाफ तीसरे राउंड के मुकाबले में पैर की चोट के कारण मैच से रिटायर होना पड़ा। विश्व नंबर दो सिनर को तीसरे सेट के चौथे गेम के दौरान पैर में तकलीफ महसूस हुई। उन्होंने खेल जारी रखने की कोशिश की, लेकिन स्कोर 6-7(3), 7-5, 3-2 के समय उन्होंने मुकाबला छोड़ दिया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। सिनर ने टाईब्रेक में शानदार खेल दिखाया और दो ऐस लगाकर शुरुआती बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में रोमांच और बढ़ गया। डच खिलाड़ी ग्रीकस्पूर ने दूसरे गेम में तीन ब्रेक प्वॉइंट बचाए और आखिरकार 11वें गेम में बैकहैंड शॉट से ब्रेक करते हुए सेट जीतकर मुकाबले को आधी रात के बाद तक खींच लिया। तीसरे सेट के चौथे गेम में सिनर दर्द से झुक गए और कोर्ट पर लंगड़ाते हुए चलते दिखे। उनकी स्थिति अगले गेम में और बिगड़ गई, जिसके बाद उन्होंने कुछ आसान शॉट्स नेट में मारे और ग्रीकस्पूर को आसान ब्रेक मिल गया। अंततः उन्हें सहायता लेकर कोर्ट छोड़ना पड़ा और उन्होंने मैच से रिटायर होने का फैसला किया। सिनर की यह चोट गंभीर बताई जा रही है, और अब यह देखना होगा कि वह आगे आने वाले टूर्नामेंट्स में कितनी जल्दी वापसी कर पाते हैं।

बीसीसीआई महिला सीनियर टी-20 प्रतियोगिता : हिमाचल टीम की घोषणा, सुषमा वर्मा को कप्तान की जिम्मेदारी

एजेंसी, धर्मशाला

बीसीसीआई महिला सीनियर (टी-20) एलीट टूर्नामेंट 2025-26 के लिए हिमाचल की महिला सीनियर टीम की घोषणा कर दी गई है। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने महिला वरिष्ठ खिलाड़ियों का चयन कर टीम की सोमवार को घोषणा कर दी है। टीम का जिम्मा वरिष्ठ खिलाड़ी एवं पूर्व में भारतीय टीम का हिस्सा रही सुषमा वर्मा को दिया गया है। चयनित टीम के खिलाड़ियों में नैंसी शर्मा चंबा, ज्योति ठाकुर कांगड़ा, प्रीती देवी कांगड़ा, सुष्मिता कुमारी किन्नौर, मोनिका कुल्लू, यमुना देवी कुल्लू, नीना चौधरी मंडी, निकिता मंडी, शिवानी मंडी, सोनल मंडी, देवांशी वर्मा शिमला, मनीषा शिमला, निकिता चौहान शिमला, प्राची चौहान शिमला, सुषमा वर्मा (कप्तान) शिमला, वासुवी फिश्टा शिमला शामिल हैं। इसके अलावा टीम में सहायक कर्मचारियों में योगिंदर पुरी कोच, प्रेम सिंह सहायक कोच, शिवानी शर्मा फील्डिंग कोच, मनीषा फिजियो, वीना देवी प्रशिक्षक, आशुतोष पांडे वीडियो विश्लेषक, सोनाली ठाकुर मसाजर तथा शिव कपूर को बतौर प्रबंधक नियुक्त किया गया है।

वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का 75 वर्ष की उम्र में निधन

एजेंसी, वलसेन (त्रिनिदाद)

वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर और 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य बर्नार्ड जूलियन का शनिवार को 75 वर्ष की उम्र में वलसेन (त्रिनिदाद) में निधन हो गया। उन्होंने वेस्टइंडीज की ओर से 24 टेस्ट और 12 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया था। जूलियन ने 1975 के पहले विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने 4 विकेट पर 20 रन, न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 विकेट पर 27 रन और फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 37 गेंदों में 26 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी। वह बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी, बेहतरीन स्ट्रोकप्ले और जीवंत फील्डिंग के लिए जाने जाते थे। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्लाइव लॉयड ने उन्हें 1975 की विजेता टीम का अहम स्तंभ बताया। उन्होंने एक बयान में कहा, "वह हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देते थे। मैंने कभी उन्हें जिम्मेदारी से पीछे हटते नहीं देखा। वह एक सच्चे टीम खिलाड़ी थे, जिन पर मैं हमेशा भरोसा कर सकता था — बल्ले और गेंद दोनों से। वे एक बेहतरीन क्रिकेटर थे।" लॉर्ड्स में भी जूलियन ने यादगार प्रदर्शन किया था, जब उन्होंने 1973 में इंग्लैंड के खिलाफ 121 रनों की मैच जिताने वाली पारी खेली और अगले वर्ष उसी टीम के खिलाफ पांच विकेट भी हासिल किए। लॉयड ने आगे कहा, "हम सब उनका बहुत सम्मान करते थे। वे सभी के प्रिय थे। लॉर्ड्स में टेस्ट जीतने के बाद हमने लंबे समय तक दर्शकों के लिए ऑटोग्राफ दिए — वह हमारे लिए गर्व का पल था।" जूलियन ने 1970 से 1977 तक इंग्लैंड की काउंटी टीम 'केंट' के लिए भी खेला। हालांकि, उनका करियर तब रुक गया जब उन्होंने 1982-83 में रंगभेद काल के दौरान दक्षिण अफ्रीका का दौरा करने वाली विद्रोही वेस्टइंडीज टीम में हिस्सा लिया। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, "जब हम बर्नार्ड जूलियन को श्रद्धांजलि देते हैं, तो हमें समझ और समावेश की भावना के साथ उस दौर को भी याद करना चाहिए। उनका जीवन इस बात का प्रतीक है कि उद्देश्यपूर्ण जीवन कभी समाप्त नहीं होता।" उन्होंने आगे कहा, "बर्नार्ड जूलियन के परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। वेस्टइंडीज क्रिकेट परिवार उनके योगदान को सदैव याद रखेगा।"

व्यापार

सप्ताह के पहले दिन ही मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 2.01 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली। आईटी, हेल्थ केयर और बैंकिंग सेक्टर में हुई जोरदार खरीदारी तथा मजबूत ग्लोबल संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजार आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली तेजी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिर कर कुछ देर के लिए लाल निशान में पहुंच गए। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल लगभग पूरे दिन तेज बनी रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.72 प्रतिशत पर निफ़्टी 0.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, बैंकिंग और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होते रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर मेटल, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल और मीडिया सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी

ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 459.82 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 457.81 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.01 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,449 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,827 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,453 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 169 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,841 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,227 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,614 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 67.62 अंक की मजबूती के साथ 81,274.79 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले 15 मिनट में ही ये सूचकांक 51.29 अंक की कमजोरी के साथ लाल निशान में 81,155.88 अंक के स्तर तक आ गया।

भारत में विनिर्माण और गुणवत्ता केंद्र के लिए एक अरब डॉलर का निवेश करेगी एली लिली

नई दिल्ली। वैश्विक दवा निर्माता एली लिली एंड कंपनी भारत में एक अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है। यह निवेश अनुबंध विनिर्माण को बढ़ाने के लिए अगले कुछ वर्ष में होगा, जिससे भारत में कंपनी की आपूर्ति श्रृंखला क्षमताओं को भी बढ़ावा मिलेगा। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि अगले कुछ वर्षों में भारत में नई अनुबंध निर्माण सुविधाएं और हैदराबाद में एक विनिर्माण एवं गुणवत्ता केंद्र स्थापित करने के लिए एक अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश करने की योजना है। इस रणनीतिक निवेश से कंपनी

की निर्माण एवं आपूर्ति क्षमताओं को और मजबूती मिलेगी, जिससे उसके विकसित होते खंड को समर्थन मिलेगा। एली लिली इंटरनेशनल के अध्यक्ष पैट्रिक जोंसन ने कहा कि हम दुनियाभर में विनिर्माण और दवा आपूर्ति क्षमता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निवेश कर रहे हैं। कंपनी के मुताबिक हैदराबाद हब देशभर में कंपनी के अनुबंध निर्माण नेटवर्क के लिए तकनीकी निगरानी प्रदान करेगा। नई सुविधाओं के लिए भर्ती प्रक्रिया तुरंत शुरू होने की उम्मीद है, जिसमें इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान, विश्लेषणात्मक विज्ञान, गुणवत्ता नियंत्रण और आश्वासन, और प्रबंधन भूमिकाओं में रिक्तियां शामिल होंगी। कंपनी ने 2020 से मधुमेह, मोटापा, अल्जाइमर रोग, कैंसर, ऑटोइम्यून स्थितियों और अन्य उपचारों के लिए दवाओं का समर्थन करने के लिए विनिर्माण सुविधाओं के निर्माण, विस्तार और अधिग्रहण में वैश्विक स्तर पर 55 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में कमी होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,19,390 रुपये से लेकर 1,19,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,09,440 रुपये से लेकर 1,09,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,19,540 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,09,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,19,390 रुपये

प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,09,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,19,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,09,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,19,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,09,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,19,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,09,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,19,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,09,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,19,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,09,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,19,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,09,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,19,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ओएनजीसी आंध्र प्रदेश में 172 तटवर्ती कुओं के विकास के लिए 8,110 करोड़ का करेगी निवेश

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) आंध्र प्रदेश में आठ उत्पादन खनन लाइसेंस (पीएमएल) ब्लॉकों में 172 कुओं से तेल एवं गैस के तटवर्ती विकास और उत्पादन के लिए 8,110 करोड़ रुपये का निवेश करने की तैयारी में है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि ओएनजीसी आंध्र प्रदेश में तेल और गैस निकालने के लिए 8110 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। यह निवेश आठ पीएमएल ब्लॉक में 172 कुओं के ऑनशोर डेवलपमेंट के लिए किया जाएगा। पर्यावरण मंत्रालय की एक समिति ने इस प्रोजेक्ट के लिए पर्यावरणीय मंजूरी की सिफारिश की है। ओएनजीसी को निर्देश दिया कि वह मंत्रालय को प्रस्तुत दस्तावेजों में प्रस्तावित सभी पर्यावरण संरक्षण उपायों एवं सुरक्षा उपायों का अनुपालन करे। विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति के मुताबिक इस परियोजना की अनुमानित लागत 8110 करोड़ रुपये है। पर्यावरण प्रबंधन योजना की पूंजीगत लागत 172 करोड़ रुपये होगी और ईएमपी की आवर्ती लागत 91.16 करोड़ रुपये प्रति वर्ष होगी।

मानस पॉलिमर्स की स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। फूड एंड बेवरेज पैकेजिंग सेक्टर में काम करने वाली कंपनी मानस पॉलिमर्स एंड एनर्जीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 81 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के इमर्ज प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 153.90 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि, लिस्टिंग के बाद हुई मुनाफा वसूली के कारण इस शेयर की चाल में गिरावट आ गई। दोपहर 2 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 146.20 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। मानस पॉलिमर्स एंड एनर्जीज का 23.52 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 30 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.24 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 6.66 गुना सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.78 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.19 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के

तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 29.04 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी सोलर प्लांट लगाने, फिक्स्ड एसेट्स खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 79 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.70 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 65 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 33.06 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी का हाट अवतार!

ट्रांसपेरेंट साइड कट गाउन में बिखेरा ऐसा ग्लैमर फैंस बोले- अप्सरा हो...

एंटरटेनमेंट की दुनिया की सबसे मशहूर पर्सनैलिटी स्टाइलिश और ग्लैमरस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी हाल ही में अपने नए लुक को लेकर सुर्खियों में हैं, उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आग लगा रही हैं. टीवी इंडस्ट्री की सबसे स्टाइलिश और ग्लैमरस माम श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी आजकल अपने फैशन सेंस से सबको हैरान कर रही हैं. अपनी मां की तरह ही पलक भी आए दिन अपने बोल्ड और हाट लुक्स से इंटरनेट पर तहलका मचा देती हैं. हाल ही में उन्होंने एक ऐसा फोटोशूट करवाया है, जिसमें उनका हुस्न देख फैंस ने उनकी तारीफों के पुल बांध दिए हैं. पलक तिवारी ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह सी-ग्रीन कलर की एक बेहद खूबसूरत साइड कट गाउन में नजर आ रही हैं. यह गाउन उन पर इतना जंच रहा है, कि फैंस उन्हें अप्सरा कह रहे हैं. इस गाउन के साथ पलक ने मिनिमल मेकअप और खुले बाल रखे हैं, जिससे उनका लुक और भी क्लासी और नेचुरल लग रहा है. उन्होंने कोई भारी-भरकम ज्वेलरी नहीं पहनी है, सिर्फ एक हल्का नेकलेस और ईयररिंग्स से अपने लुक को कंप्लीट किया है. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आग लगा रही हैं, जिसपर फैंस लगातार कमेंट्स कर रहे हैं. पलक की इन तस्वीरों को देख फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, आप बिल्कुल अप्सरा जैसी लग रही हो. वहीं, एक और यूजर ने कमेंट किया, पलक ने तो अपनी मां श्वेता तिवारी को भी पीछे छोड़ दिया, क्या खूबसूरती है! कुछ लोग तो यह भी कह रहे हैं, कि उनके सामने बालीवुड की बड़ी-बड़ी हीरोइनें फीकी लगती हैं. पलक तिवारी को गायक हार्डी संधू के पापुलर गाने बिजली-बिजली से जबरदस्त पहचान मिली थी. इस गाने में उनका डांस और एक्सप्रेशंस फैंस को इतने पसंद आए थे, कि वह रातों-रात स्टार बन गईं थीं, इस गाने के बाद से ही पलक के पास कई म्यूजिक वीडियो और फिल्मों के आफर आने लगे. पलक तिवारी को गायक हार्डी संधू के पापुलर गाने बिजली-बिजली से जबरदस्त पहचान मिली थी. इस गाने में उनका डांस और एक्सप्रेशंस फैंस को इतने पसंद आए थे, कि वह रातों-रात स्टार बन गईं थीं, इस गाने के बाद से ही पलक के पास कई म्यूजिक वीडियो और फिल्मों के आफर आने लगे. पलक तिवारी ने अपनी मां श्वेता तिवारी की तरह ही एक्टिंग में अपना करियर शुरू कर दिया है. उन्होंने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बालीवुड में डेब्यू किया था. इसके अलावा वह और भी कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं. हाल ही में पलक की फिल्म द भूतनी सिनेमा घरों में रिलीज हुई थी, जिसमें उनके किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया. फिलहाल, पलक अपनी एक्टिंग स्किल्स के साथ-साथ अपने फैशन सेंस और फिटनेस को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं.

महाकाली से सामने आया अक्षय खन्ना का फर्स्ट लुक, असुरों के गुरु शुक्राचार्य के दमदार किरदार में आएंगे नजर

हनुमान फिल्म के निर्देशक प्रशांत वर्मा एक बार फिर पौराणिक कथाओं पर आधारित एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। फिल्म का नाम है महाकाली। अब फिल्म महाकाली से अभिनेता अक्षय खन्ना का फर्स्ट लुक सामने आया है। अक्षय फिल्म में शुक्राचार्य के किरदार में नजर आएंगे। महाकाली प्रशांत वर्मा के प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है। निर्देशक प्रशांत वर्मा ने अब फिल्म से अक्षय खन्ना के लुक को शेयर किया है। लुक को शेयर करते हुए प्रशांत वर्मा ने लिखा, देवताओं की छाया में विद्रोह की सबसे प्रखर ज्वाला उठी। प्रस्तुत करते हैं अक्षय खन्ना को शाश्वत असुरगुरु शुक्राचार्य के रूप में। शुक्राचार्य के लुक में अक्षय खन्ना काफी खतरनाक अंदाज में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में उनके चारों ओर अंधेरा है। शुक्राचार्य के लुक में अक्षय सफेद रंग के बड़े बालों और बड़ी दाढ़ी में नजर आ रहे हैं। उनके सिर पर ऋषियों की तरह जूड़ा भी बंधा हुआ है। उनकी एक आंख पूरी तरह से सफेद नजर आ रही है। शुक्राचार्य के लुक में अक्षय को पहचानना पूरी तरह से मुश्किल लग रहा है। फिल्म को लेकर अभी और अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। न ही फिल्म की बाकी कास्ट के बारे में भी अभी पता चला है। सिर्फ अक्षय का लुक सामने आया है, जो अब काफी पसंद किया जा रहा है। अक्षय के लुक के सामने आने के बाद अब फिल्म को लेकर लोगों में उत्साह और भी बढ़ गया है।

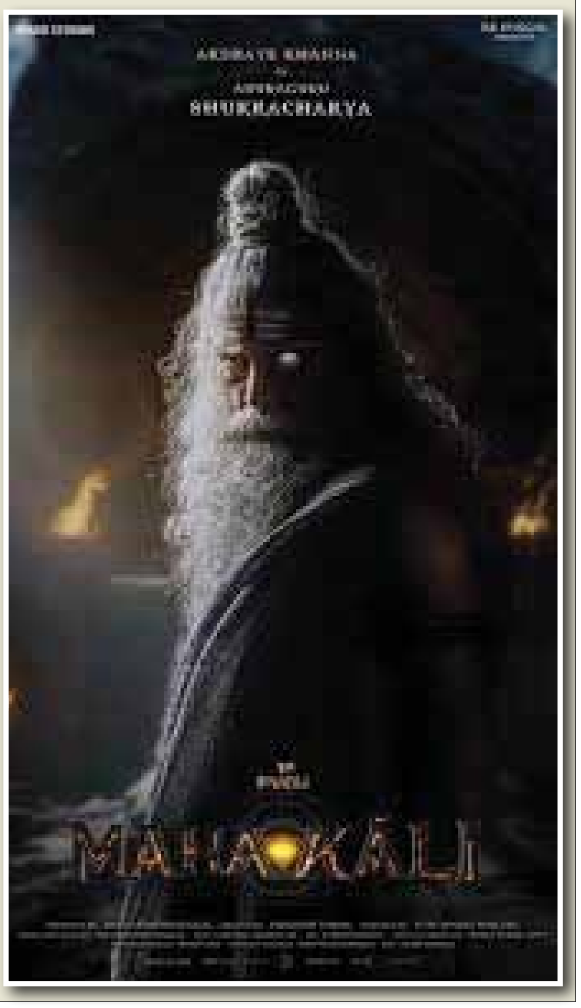

कोंकणा सेन शर्मा की सचःर् द नैना मर्डर केस का ट्रेलर जारी, मर्डर मिस्ट्री संग दिखा झूठ का जाल

कोंकणा सेन शर्मा संजीदा किरदारों को बखूबी निभाना जानती हैं। हाल ही में उनकी एक अपकमिंग सीरीज सर्च-द नैना मर्डर केस का ट्रेलर रिलीज हुआ। जिसमें वह एक पुलिस आफिसर के रोल में हैं, जो एक मर्डर मिस्ट्री को साल्व करने की कोशिश कर रही है। सीरीज सर्च-द नैना मर्डर केस के ट्रेलर में कोंकणा सेन शर्मा एक पुलिस आफिस के रोल में हैं। वह एक कालेज गर्ल की मर्डर मिस्ट्री को साल्व करने की कोशिश में लगी हैं। इस राह में उसके सामने कई चुनौतियां हैं। कई लोग शक के घेरे में हैं। इस सीरीज में एक तरफ मर्डर मिस्ट्री को दिखा गया है। साथ ही केस को साल्व करने के दौरान कोंकणा सेन का किरदार डिजिटल दुनिया के खतरों से भी वाकिफ होता है। इस सीरीज में सोशल मीडिया के स्याह पक्ष को दिखाने की कोशिश की गई, जिसके जाल में यंगस्टर बुरी तरह फंस जाते हैं। कोंकणा सेन स्टारर इस सीरीज की रिलीज डेट भी ट्रेलर के साथ ही शेयर की है। यह सीरीज जीयोहाटस्टार पर 10 अक्टूबर 2025 को रिलीज होगी। यह सीरीज रोहन सिप्पी ने डायरेक्ट की है।

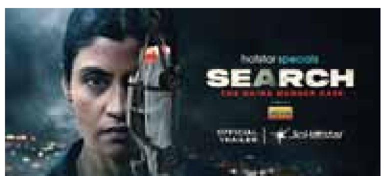

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना हारर कामेडी फिल्म थम्मा का तेलुगु ट्रेलर रिलीज़

रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना अभिनीत बहुप्रतीक्षित हारर कामेडी फिल्म थम्मा का तेलुगु ट्रेलर आखिरकार रिलीज़ हो गया है। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित यह फिल्म रोमांस, कामेडी और रोमांच के मिश्रण से भरपूर एक रोमांचक सफ़र का वादा करती है। ट्रेलर एक खौफनाक पिशाच की दुनिया की झलक दिखाता है जहाँ नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी यक्षसन की भूमिका निभा रहे हैं, जो सालों से एक गुफा में फंसा एक खतरनाक पिशाच है। फिल्म की कहानी यक्षसन की खोज के बाद आयुष्मान खुराना के पिशाच में बदलने के इर्द-गिर्द घूमती है। रश्मिका मंदाना एक पिशाच की भूमिका निभाती हैं जिसे नायक से प्यार हो जाता है, और दोनों की जोड़ी के बीच ज़बरदस्त केमिस्ट्री है। हालाँकि, उनकी अलग-अलग दुनिया के कारण उनका प्यार जटिल है। ट्रेलर नायक और खलनायक के बीच एक्शन दृश्यों के साथ एक शानदार अंत के साथ समाप्त होता है, जो एक मनोरंजक सफ़र का वादा करता है। थम्मा दिवाली के तोहफे के रूप में 21 अक्टूबर, 2025 को दुनिया भर में रिलीज़ होने वाली है। यह फिल्म मैडाक फिल्म्स की हारर-कामेडी दुनिया का हिस्सा है और इस श्रृंखला की पाँचवीं रिलीज़ है। दिनेश विजान और अमर कौशिक द्वारा निर्मित, इस फिल्म ने दर्शकों के बीच काफी चर्चा बटोरी है। सुरेश प्रोडक्शंस इस फिल्म को तेलुगु में रिलीज़ करेगा, और निर्माताओं ने पहले ही तेलुगु ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें फिल्म की रोमांचक कहानी दिखाई गई है। ता की भूमिका निभाने वाले परेश रावल जैसे उल्लेखनीय कलाकार शामिल हैं, जो फिल्म के हास्य तत्वों को और बढ़ा देते हैं। हारर और कामेडी के अपने अनोखे मिश्रण के साथ, थम्मा दर्शकों के बीच हिट होने की उम्मीद है। फिल्म की पटकथा नीरेन भट्ट, अरुण फुलारा और सुरेश मैथ्यू ने लिखी है, जो इसे एक बेहतरीन कहानी बनाती है।

पवन कल्याण की फिल्म की बाक्स आफिस पर आंधी, वर्ल्डवाइड 250 करोड़ पार हुई ओजी

पवन कल्याण की दे काल हिम ओजी बाक्स आफिस पर रुकने का नाम ही नहीं ले रही है. फिल्म ने मंडे टेस्ट भी पास कर लिया है. फिल्म रिकार्ड ब्रेक कमाई कर रही है. वर्ल्डवाइड भी फिल्म धमाल मचा रही है. फिल्म 5 दिनों में ही 2025 की हाइएस्ट ग्रासिंग तेलुगू फिल्म बन गई है. रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड पर वर्ल्डवाइड 252 करोड़ क्रास कर लिया. ओपनिंग वीकेंड में फिल्म ने धमाका कर दिया है. सोमवार को फिल्म ने 13 करोड़ का कलेक्शन किया और अब फिल्म का अभी तक का टोटल कलेक्शन 265 करोड़ हो गया है. दे काल हिम ओजी अब 2025 की हाइएस्ट ग्रासिंग तेलुगू फिल्म हो गई है. फिल्म ने वेंकटेश की संक्रांतिकी वस्तुनम को पीछे छोड़ दिया है. संक्रांतिकी वस्तुनम ने 255 करोड़ का वर्ल्डवाइड लाइफटाइम कलेक्शन किया था. इसके अलावा किसी और फिल्म ने 200 करोड़ का आंकड़ा क्रास नहीं किया. वहीं दे काल हिम ओजी जिस तरह से कमाई कर रही है. सेकंड वीकेंड तक फिल्म 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेगी और इस साल ऐसा करने वाली पहली फिल्म बन जाएगी. फिल्म के घरेलू कलेक्शन के बारे में बात करें तो फिल्म ने पेड प्रिव्यू से 21 करोड़ की कमाई की थी. इसके बाद पहले दिन 63.75 करोड़ का कलेक्शन किया. दूसरे दिन 18.45 करोड़ की कमाई की. तीसरे दिन फिल्म ने 18.5 करोड़ कमाए. चौथे दिन फिल्म ने 18.5 करोड़ और पांचवें दिन 8.55 करोड़ का कलेक्शन किया. दे काल हिम ओजी को सुजीत ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में पवन कल्याण गैंगस्टर के रोल में नजर आ रहे हैं. वहीं इमरान हाशमी भी डान के रोल में हैं. इमरान हाशमी ने इस फिल्म के जरिए तेलुगू सिनेमा में डेब्यू किया है. फिल्म में प्रियंका मोहन, प्रकाश राज, अर्जुन दास, श्रिया रेड्डी जैसे स्टार भी नजर आ रहे हैं.

लापता लेडीज के बाद नितांशी गोयल चलीं साउथ? विजय देवरकोंडा के भाई संग पर्दे पर करेंगी रोमांस

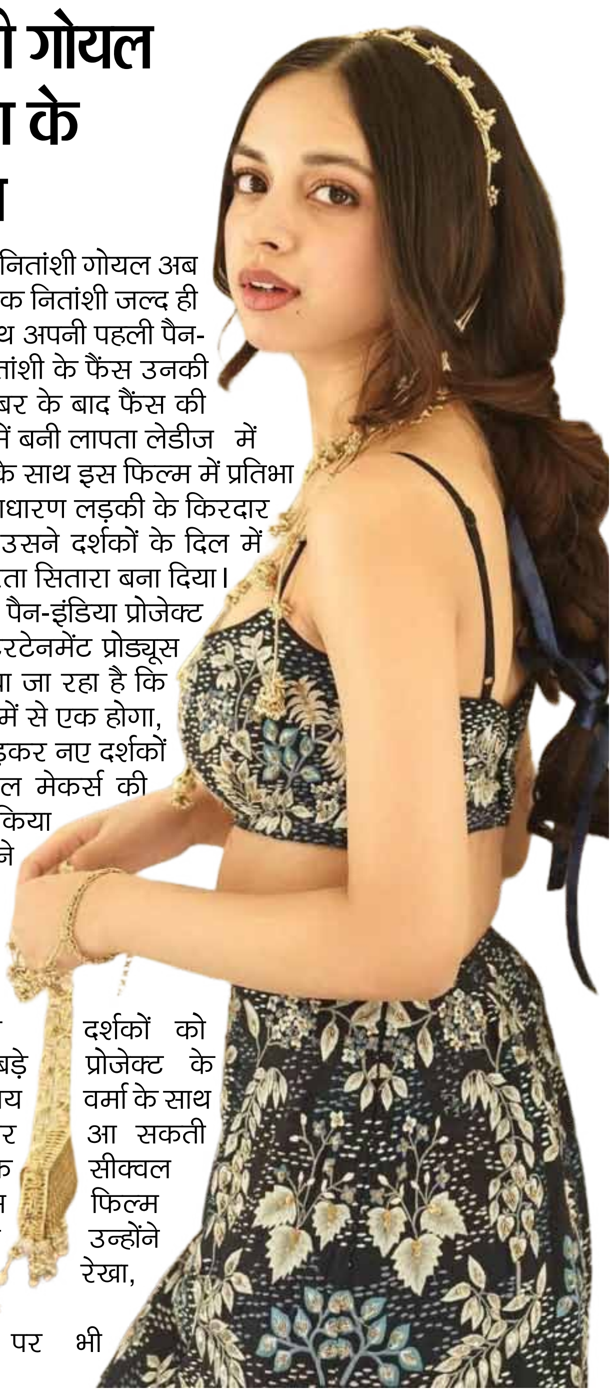

फिल्म लापता लेडीज से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नितांशी गोयल अब एक बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक नितांशी जल्द ही तेलुगु सिनेमा के लोकप्रिय चेहरे आनंद देवरकोंडा के साथ अपनी पहली पैन-इंडिया फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। लंबे समय से नितांशी के फैंस उनकी अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और अब इस खबर के बाद फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है। किरण राव के निर्देशन में बनी लापता लेडीज में नितांशी गोयल की एक्टिंग को खूब सराहा गया था। उनके साथ इस फिल्म में प्रतिभा रांटा और स्पर्श श्रीवास्तव भी मुख्य भूमिकाओं में थे। साधारण लड़की के किरदार को उन्होंने जिस गहराई और मासूमियत से निभाया, उसने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई। इसी फिल्म ने उन्हें इंडस्ट्री का उभरता सितारा बना दिया। अब खबर है कि नितांशी, आनंद देवरकोंडा के साथ एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं। इस फिल्म को सितारा एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रही है और शूटिंग अगले महीने शुरू होगी। बताया जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट 2025 की सबसे बड़ी क्रास-इंडस्ट्री फिल्मों में से एक होगा, जिसमें हिंदी और साउथ सिनेमा की लोकप्रियता को जोड़कर नए दर्शकों तक पहुंचने की कोशिश की जाएगी। हालांकि फिलहाल मेकर्स की ओर से इसे लेकर कोई आफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। खबरें हैं कि फिल्म के मेकर्स ने इसे बड़े पैमाने पर बनाने का प्लान तैयार किया है। भव्य सेट, दमदार म्यूजिक और स्टाइलिश विजुअल्स के साथ यह फिल्म दर्शकों को नया अनुभव देने वाली है। हालांकि कहानी अभी तक गुप्त रखी गई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह एक एनर्जेटिक एंटरटेनर होगी, जो हर उम्र के दर्शकों को आकर्षित करेगी। सिर्फ यही नहीं, नितांशी को एक और बड़े प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किया गया है। खबरों के अनुसार, वह अभय वर्मा के साथ रत्ना सिन्हा के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में भी नजर आ सकती हैं। माना जा रहा है कि यह फिल्म शादी में जरूर आना के सीक्वल के तौर पर तैयार की जा रही है। नितांशी ने हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। वहां उन्होंने अपने लुक्स से पुराने दौर की दिग्गज अभिनेत्रियों- रेखा, मधुबाला, मीना कुमारी, नरगिस और श्रीदेवी को ट्रिब्यूट दिया। उनके इस अंदाज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्हें लाइमलाइट में ला दिया।

Will work to prevent such tragedies in the future:

Union Minister Shekhawat on Jaipur hospital fire

AGENCIES

Jodhpur : Union Culture and Tourism Minister Gajendra Singh Shekhawat on Monday expressed deep sorrow over the tragic fire at Jaipur's Sawai Man Singh (SMS) Hospital and extended condolences to the families of the victims. Speaking to the media in Jodhpur, Shekhawat emphasised that the focus now should be on saving lives and preventing such incidents from occurring again. "This is not a matter for personal blame or political comment." Shekhawat said. "If an individual is found responsible, action will be taken. And if it was due to a technical flaw, steps must be taken to ensure it doesn't happen again."

Addressing a press conference here, Shekhawat described the incident as "unfortunate" and said a thorough government-level investigation will determine the cause of the fire. "Why did the fire start? What went wrong? It's too early for me to comment. Right now, our focus must be on the recovery of those affected and saving lives. An investigation is underway, and accountability will be

ensured," he said. He reiterated that the incident calls for serious introspection, adding that "whatever has happened is deeply saddening, unacceptable, and must never be repeated." In response to the Jaipur tragedy, the Union Minister announced immediate measures in Jodhpur to prevent such incidents in the future. He said he had spoken to the Principal of Jodhpur Medical College and the District Collector, instructing them to begin urgent fire safety audits in all government hospitals and offices across the city. "Fire safety audits must be carried out regularly. We need to create a strong, enforceable protocol to ensure these checks are not overlooked. The system must be strengthened to protect lives." Shekhawat's statement underscores growing concern over fire safety standards in public institutions, following the SMS Hospital fire that claimed six lives and left several others injured.

Six people lost their lives in a fire which was reported at the SMS Trauma centre on Sunday late hours. Many people sustained burn injuries, too. National as well as state leaders have expressed condolences over the incidents.

For Mamata Banerjee, death and destruction mean nothing: BJP

AGENCIES

Kolkata : As North Bengal reels under heavy rains and landslides that have claimed at least 23 lives, BJP's IT cell chief and the party's central observer for West Bengal, Amit Malviya, on Monday launched a scathing attack on Chief Minister Mamata Banerjee, alleging that "death and destruction mean nothing" to her.

Malviya was referring to the mega annual state government-organised Durga Puja carnival in Kolkata on Sunday evening, which was attended by the Chief Minister. A video of the event went viral, in which the Chief Minister, accompanied by Bengali cine-stars, was seen shaking her legs to the tune played on the occasion.

"Let this be remembered. When 28 people died and thousands faced death and destruction from Dooars to Darjeeling, West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee was dancing in Kolkata -- celebrating at a tax-funded carnival while her state mourned," Malviya said in a social media post made on Monday morning. Although Malviya quoted the death figure at 28, the official data compiled by the National Disaster Response Force (NDRF) and the district administrations in Darjeeling and Jalpaiguri placed the number of fatalities at 23 till Monday morning. However, the administrative officials apprehend that the actual death toll may be more, as rescue and recovery operations will be carried out during the course of the day. In his statement, Malviya said that the Chief Minister was equally remorseless when 12 people died in and around Kolkata last month after they came in touch with live electricity wire submerged in the rainwater accumulated at different pockets, which was evident from her busy schedule inaugurating Durga Puja pandals then. "She was equally remorseless when 12 people were electrocuted during Durga Puja this year. Even then, she went about inaugurating pandals as if nothing had happened.

Such parties will never return to power: Rijiju slams Congress

AGENCIES

New Delhi : Union Minority Affairs Minister Kiren Rijiju on Monday hit out at the Congress and other Opposition parties for "attacking" Indian armed forces and repeatedly doubting their capability and asserted that such 'negative' approach would never gain people's trust. He termed their conduct "unfortunate" and said that they can never be trusted with power by the people of the country. His remarks came in response to Uttar Pradesh Congress chief Ajay Rai casting doubts over government and the armed forces' statements, regarding the success of Operation Sindoor. The Indian Air Force Chief Air Chief Marshal A.P. Singh recently revealed for the first time that Indian forces shot down US and Chinese-made fighter jets in Pakistan, during the four-day military operation in May. Reacting sharply to Ajay Rai's comments, Rijiju, in an interview with IANS, said, "It is unfortunate that whenever our top Army officials respond to Pakistan, Congress and opposition leaders attack our armed forces even before Pakistan does.

Karur stampede:

NDA fact-finding panel blames 'gross administrative negligence'

AGENCIES

Chennai : A fact-finding team of NDA Members of Parliament probing the Karur stampede, which left 41 people dead and over 100 injured during a rally by actor and TVK Chief Vijay, has termed the tragedy a "completely avoidable disaster caused by gross administrative negligence, poor planning and total mismanagement". In a detailed report submitted to the BJP high command, the MPs said the catastrophic crowd surge was the result of "an absolute breakdown in basic safety measures", citing glaring lapses in crowd control and official oversight. They noted that while the venue was appropriate for only 2,000-3,000 people, nearly 30,000 gathered for Vijay's rally, creating dangerously overcrowded conditions. According to the team,

thousands of supporters began arriving from early morning, though the event was scheduled for noon. Vijay's delayed arrival -- nearly seven hours later than expected -- left the restless, tightly packed crowd agitated.

JP Nadda, Priyanka Gandhi express grief over Jaipur Hospital fire tragedy; urge swift action and relief

AGENCIES

Jaipur : BJP National President and Union Health Minister J.P. Nadda on Monday expressed deep grief on the tragic fire at the Trauma Centre of Sawai Man Singh Hospital in Jaipur, which claimed over 6 lives and left many injured. Congress General Secretary Priyanka Gandhi also called the incident heart-wrenching and demanded accountability. BJP National President Jagat Prakash Nadda expressed profound sorrow over the incident, calling the loss of lives "extremely heartbreaking."

Taking to social media,

Nadda said, "The news of several patients being killed in the fire at the trauma centre of Sawai Man Singh Hospital in Jaipur is extremely heartbreaking. I spoke with the Chief Minister of the state, Bhajan Lal Sharma, and enquired about the ongoing health facilities and relief efforts." I express my deepest condolences to the bereaved families. I pray to God to grant them the strength to bear this unbearable pain and wish a speedy recovery to the injured," he said. Wayanad MP Priyanka Gandhi also called the incident heart-wrenching and demanded accountability, expressing her sorrow and concern over the incident in Rajasthan.

In a statement posted on X, she wrote, "The news of the painful deaths of several patients due to a fire in the trauma centre of a government hospital in Jaipur is extremely heart-wrenching.

Higher reaches receive snowfall, heavy rain lashes plains in JK

AGENCIES

Srinagar : Season's first snowfall occurred in the higher reaches of Kashmir Valley on Monday as all schools in the Jammu division of J&K were closed due to torrential rainfall.

The Meteorological Department (MeT) officials said the season's first snowfall occurred in Gulmarg hill station, Zojila Pass, Razdan Pass, Pit Ki Gali and other higher reaches of the Valley, and heavy rain occurred in the plains during the last 12 hours. Authorities ordered the closure of all schools on October 6 and 7 in the Jammu division due to an adverse weather forecast.

Maharashtra bans Coldrif Syrup after children's deaths in MP, Rajasthan

AGENCIES

Mumbai : The Maharashtra Food and Drugs Administration (FDA) has ordered an immediate halt to the sale, distribution, and use of Coldrif Syrup across the state, citing toxic adulteration linked to the tragic deaths of children in Madhya Pradesh and Rajasthan.

State Drug Controller DR Gahane issued a statement late Sunday night, alerting all licensees and the public to immediately freeze any stock of Coldrif Syrup (Phenylephrine Hydrochloride, Chlorpheniramine Maleate Syrup), Batch No SR-13, manufactured by Sresan Pharma, Kancheepuram District, Tamil Nadu. The

specific batch, with manufacturing date May 2025 and expiry date April 2027, is allegedly contaminated with Diethylene Glycol (DEG), a poisonous substance, the statement said.

National conference on Defence manufacturing starts in Delhi on Tuesday

AGENCIES

New Delhi : Defence Minister Rajnath Singh will inaugurate a national-level conference on 'Opportunities in Defence Manufacturing in the Country' at Vigyan Bhawan here on Tuesday. The conference, organised under the aegis of the Department of Defence Production, Ministry of Defence, will provide a focussed platform to strengthen coordination between the Ministry and governments of all the States and Union Territories, with the objective of aligning regional industrial policies and infrastructure development with the national goal of achieving self-reliance in Defence manufacturing, according to an official statement issued on Monday.

During the event, the Defence Minister Singh will launch the new 'Defence Exim Portal', designed to streamline the process of issuing export and import authorisations, as well as Srijan DEEP (Defence Establishments and Entrepreneurs Platform) portal, a digital repository mapping the capabilities and products of Indian Defence industries. Two key

publications 'Aerospace & Defence Sector Policy Compendium of States and Union Territories' and the iDEX Coffee Table Book 'Shared Horizons of Innovation' will also be released on the occasion. The statement said. The conference aims to bring together senior officials from the Departments of Industries of all States and Union Territories to discuss their crucial role in advancing India's Defence manufacturing ecosystem. It will also highlight ongoing national efforts to boost indigenisation, enhance Defence exports, and promote investment in the sector, the statement added.

Decision on caste census deadline extension to be made by CM: K'taka Home Minister

AGENCIES

Bengaluru : Karnataka Home Minister G. Parameshwara said on Monday that the decision on extending the deadline for the Socio-Economic and Academic Survey, commonly known as the caste census, will be made by Chief Minister Siddaramaiah. He made the statement while responding to a question on the caste census in Bengaluru.

"Chief Minister Siddaramaiah has gone to the Koppal district. Once he returns, he will consult officers. After gathering information from all districts, the progress achieved in each district will be considered. In some districts, 70 per cent of the survey has been completed, in others 50 per cent, and in some districts 80 per cent of the targets have been achieved. These districts are all set to complete the census," he said. "Almost 80 per cent of the survey is complete, and for the remaining 20-25 per cent, if an extension of four to five days is given, it can be completed," Parameshwara added. "Across the state, about 25 per cent of the survey is yet to be completed. There is indeed confusion in some places,

including technical issues and challenges faced by enumerators. We have to complete the census, and the government has set the deadline as October 7 (Tuesday)," he stated. Addressing concerns raised by Deputy Chief Minister D.K. Shivakumar and Union Minister V. Somanna over certain questions in the caste census, he said, "Everyone, including Dy CM D.K. Shivakumar and Union Minister V. Somanna, has their own opinions. We feel that some aspects of the survey are not entirely correct. Whenever a state-level survey is conducted, minor confusions are inevitable; it cannot be foolproof." He appealed for cooperation, stating, "If everyone cooperates, the survey will be completed. All should cooperate." Responding to the BJP's criticism that the latest report might face the same fate as the Kantharaju Commission report, which was discarded, Parameshwara said, "That is their opinion, and they may make such claims. But as a government, we will do what is required." When asked whether the Congress-led government is using the caste census to divide the Veerashaiva-Lingayat community, Parameshwara maintained that it was again the opposition's opinion. "We, as a responsible government, are doing what is required. The government has made decisions after studying the pros and cons and also considering the previous caste census survey," he said. The Karnataka Congress-led government is most likely to extend the October 7 deadline set for the completion of the controversial Socio-Economic and Academic Survey. A short deadline of 15 days, technical issues, slow pace, and confusion have resulted in the survey remaining incomplete.